वर्ष : 33 ▸ अंक : 38 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, बुधवार, 24 अप्रैल 2024 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

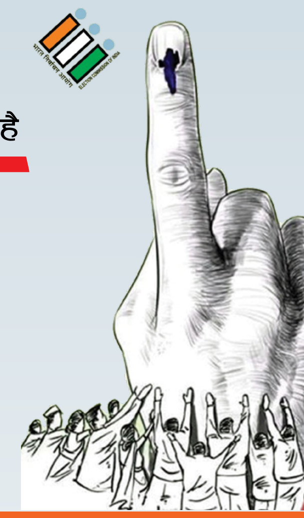

बारामती में ट्विस्ट

निर्दलीय प्रत्याशी को मिला 'तुतारी' चिह्न

अमित बृज । पुणे

शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा ने बारामती लोकसभा क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार को तुरही चुनाव चिह्न आवंटित करने पर चुनाव आयोग के खिलाफ आपत्ति जताई। बारामती लोकसभा क्षेत्र के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने वाले उम्मीदवारों को सोमवार को चुनाव चिह्न वितरित किए गए। निर्दलीय उम्मीदवार सोहेल यूनुस शाह शेख को 'तुतारी' (तुरही) चुनाव चिह्न दिए जाने पर शरदचंद्र पवार की पार्टी एनसीपी ने आपत्ति जताई और सीधे केंद्रीय चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई। मगर, चुनाव आयोग ने मंगलवार को NCP की मांग खारिज कर दी।

NCP की आपत्ति, चुनाव आयोग ने की खारिज

राष्ट्रवादी काँग्रेस पक्ष शरदचंद्र पवार

'वोटर्स में बनेगी भ्रम की स्थिति'

निर्दलीय उम्मीदवार सोहेल शेख को दिए गए ट्रम्पेट चिह्न के सामने मराठी अनुवाद 'तुतारी' लिखा गया है। शरद पवार की पार्टी एनसीपी की ओर से दिए गए पत्र में लिखा गया है कि इससे मतदाताओं में भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है। सुप्रिया सुले का कहना है कि ट्रम्पेट के गलत अनुवाद की वजह से विवाद खड़ा हुआ है। इसके अलावा शरद पवार नाम के एक निर्दलीय उम्मीदवार ने बारामती लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव के लिए यह फॉर्म भरा है। इस शख्स का नाम शरद राम पवार है।

अब बारामती से मैदान में हैं 38 उम्मीदवार

बताते चलें कि बारामती निर्वाचन क्षेत्र के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 12 से 19 अप्रैल तक थी। इस दौरान 51 लोगों ने अपनी उम्मीदवारी दाखिल की थी। इन आवेदनों की स्क्रूटनी 20 अप्रैल को हुई। स्क्रूटनी में पांच आवेदन खारिज कर दिए गए और 46 अभ्यर्थियों के आवेदन वैध घोषित किए गए हैं। उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि 22 अप्रैल सोमवार को दोपहर 3 बजे तक थी। आठ उम्मीदवारों ने अपना आवेदन वापस ले लिया। ऐसे में इस सीट पर 38 उम्मीदवार चुनाव मैदान में होंगे। प्रत्याशियों की संख्या निर्धारित होने के बाद निर्दलीय प्रत्याशियों को मतदान के लिए चुनाव चिह्न वितरित किए गए।

निर्दलीय प्रत्याशी यूनुस ने मांगा था ट्रंपेट सिंबल

इसमें यूनुस शाह शेख ने प्राथमिकता में ट्रम्पेट सिंबल की मांग की थी। लिहाजा, चुनाव निर्णय अधिकारियों द्वारा शेख को यह प्रतीक दिया गया था।

न्यूज़ ब्रीफ

केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे ने दाखिल किया नामांकन

जालना। केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे ने मंगलवार को महाराष्ट्र की जालना लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया। केंद्रीय रेल, कोयला और खान राज्य मंत्री के साथ नामांकन पत्र जमा करते समय उनके बेटे विधायक संतोष दानवे और स्थानीय नेता भी मौजूद थे। जालना सीट के लिए अब तक दस उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया है, जहां 13 मई को लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में मतदान होगा। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 25 अप्रैल है और उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तारीख 29 अप्रैल है।

तीन दिनों में 4.44 करोड़ का सोना बरामद, 2.02 करोड़ का हीरा जब्त

मुंबई। मुंबई सीमा शुल्क विभाग ने मुंबई एयरपोर्ट पर पिछले तीन दिनों में 13 मामलों में 4.44 करोड़ रुपये से अधिक का सोना और 2.02 करोड़ रुपये का हीरा जब्त किया। इन मामलों में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। सीमा शुल्क विभाग के सूत्रों के मुताबिक पिछले तीन दिनों तक मुंबई एयरपोर्ट पर विशेष जांच मुहिम चलाई गई थी। इस दौरान 13 मामलों में कुल लगभग 6.815 किलोग्राम सोना जब्त किया गया, जिसकी कीमत अंतराष्ट्रीय बाजार में 4.44 करोड़ रुपये आंकी गई है। इसके साथ ही 2.02 करोड़ रुपये का हीरा भी जब्त किया गया है।

भारत ने किया 250 किलोमीटर की मारक क्षमता वाली मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली। भारत ने अंडमान में 250 किलोमीटर की मारक क्षमता वाली नई बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया। भारतीय वायु सेना की हवा से प्रक्षेपित यह बैलिस्टिक मिसाइल 250 किलोमीटर से अधिक दूरी के लक्ष्य को भेद सकती है।अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भारतीय वायु सेना द्वारा परीक्षण की गई मिसाइल इस्राइल मूल की क्रिस्टल मेज 2 एयर-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइल है जिसे रॉक्स (ROCKS) के नाम से भी जाना जाता है। राष्ट्रीय सुरक्षा प्रतिष्ठान के वरिष्ठ सूत्रों ने एएनआई को बताया कि अंडमान में द्वीप के क्षेत्र में एक परीक्षण रेंज में पिछले हफ्ते सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू जेट द्वारा मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया था। अंडमान एवं निकोबार तीनों सेनाओं की कमान के तहत आने वाले इलाके में परीक्षण की तैयारियां की गई। भारतीय वायु सेना अब मेक इन इंडिया के माध्यम से बड़ी संख्या में इन इस्राइली मिसाइलों को हासिल करने की योजना बना रही है क्योंकि यह देश को एक अनूठी क्षमता प्रदान करती है।

मौसम

	तापमान	नमी
मुंबई	36.0-29.0	51%

सूर्यास्त बुधवार 06:58 बजे
सूर्योदय गुरुवार 06:15 बजे

भड़काऊ भाषण मामला

नितेश राणे और गीता जैन के खिलाफ मामला दर्ज

पुलिस ने हाईकोर्ट को दी जानकारी

धीरज सिंह । मुंबई

महाराष्ट्र पुलिस ने मंगलवार को बंबई उच्च न्यायालय को बताया कि उसने भाजपा विधायकों नितेश राणे और गीता जैन के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने कहा कि उन्होंने जांच में पाया कि दोनों ने जनवरी में ठाणे जिले में सांप्रदायिक हिंसा के दौरान आपत्तिजनक भाषण दिए थे। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की खंडपीठ ने पिछले हफ्ते संबंधित पुलिस आयुक्तों से निजी रूप से इस बात का सत्यापन करने को कहा था कि क्या दोनों नेताओं ने आपत्तिजनक और भड़काऊ भाषण दिया था।

नफरती भाषण देने का आरोप

लोक अभियोजक हितेन वेनेगांवकर ने आज अदालत को बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि इस साल जनवरी में मीरा भायंदर (ठाणे जिले में) हुई सांप्रदायिक हिंसा के दौरा राणे और जैन द्वारा दिए गए भाषण अपमानजनक थे। वेनेगांवकर ने कहा कि राणे पर मुंबई के मलवानी, मानखुर्द और घाटकोपर इलाकों रैलियों में नफरती भाषण देने का आरोप है। उन्होंने बताया कि जैन पर मीरा भायंदर में एक रैली में नफरती भाषण देने का आरोप है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 153ए (धर्म के आधार पर लोगों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना), 504 (उकसाने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

मीरा-भायंदर में भड़की थी सांप्रदायिक हिंसा

उन्होंने आगे कहा कि 22 से 26 जनवरी के बीच मीरा भायंदर में भड़की सांप्रदायिक हिंसा के संबंध में अन्य व्यक्तियों के खिलाफ 13 अलग-अलग प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं। वेनेगांवकर ने बताया कि सभी मामलों की जांच जारी है।

अगली सुनवाई के लिए 19 जून की तारीख तय

पीठ ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 19 जून की तारीख तय की। अदालत राणे, जैन और तेलंगाना के विधायक टी राजा सिंह द्वारा इस साल जनवरी में ठाणे जिले के मीरा रोड पर दिए गए कथि भड़काऊ भाषणों के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इन याचिकाओं में दावा किया गया है कि ये भाषण इलाके में सांप्रदायिक हिंसा के बाद दिए गए। याचिकाओं में विधायकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध किया गया था।

'कर्ज न चुकाने वालों के खिलाफ जारी LOC हो जाएंगे रद्द'

बॉम्बे हाईकोर्ट ने सरकारी बैंकों पर दिया बड़ा आदेश

दोपहर संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि सरकारी बैंकों को डिफाल्टरों के खिलाफ लुकआउट सकुर्लर (एलओसी) जारी करने का अधिकार नहीं है। हाईकोर्ट के इस फैसले से डिफाल्टरों के खिलाफ ऐसे बैंकों की ओर से जारी सभी एलओसी रद्द हो जाएंगे। जस्टिस गौतम पटेल और जस्टिस माधव जामदार की खंडपीठ ने केंद्र सरकार के कार्यालय ज्ञापन की उस धारा को भी असंवैधानिक करार दिया, जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के चेयरपर्सन को कर्ज नहीं चुकाने वालों के खिलाफ एलओसी जारी करने का अधिकार दिया गया था। केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए वकील आदित्य ठक्कर ने अदालत से अपने आदेश पर रोक लगाने की मांग की, लेकिन पीठ ने इनकार कर दिया।

क्या है मामला ?

अदालत ने उस धारा की वैधता को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाया। पीठ ने कहा कि आव्रजन ब्यूरो ऐसे एलओसी (कर्ज नहीं चुकानेवालों के खिलाफ बैंकों द्वारा जारी जांच) पर कार्रवाई नहीं करेगा। अदालत ने यह भी कहा कि उसका फैसला किसी कर्ज नहीं चुकाने वाले के खिलाफ न्यायाधिकरण या आपराधिक अदालत के आदेशों को प्रभावित नहीं करेगा, जिसमें उन्हें विदेश यात्रा करने से रोका गया हो। केंद्र ने 2018 में कार्यालय ज्ञापन में संशोधन कर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को भारत के आर्थिक हित में एलओसी जारी करने का अधिकार दिया था। इसके तहत अगर किसी व्यक्ति का विदेश जाना देश के आर्थिक हित के लिए हानिकारक हो सकता है, तो उसे ऐसा करने से रोका जा सकता है। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि 'भारत के आर्थिक हित' वाक्यांश की तुलना किसी भी बैंक के 'वित्तीय हितों' से नहीं की जा सकती है।

क्राइम ब्रांच को मिली बड़ी कामयाबी

मुंबई। अभिनेता सलमान खान के मुंबई स्थित आवास 'गैलेक्सी अपार्टमेंट' के बाहर 14 अप्रैल को दो बाइक सवार बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग की और फरार हो गए। 48 घंटे में ही मुंबई क्राइम ब्रांच ने गोलीबारी करने वाले दोनों आरोपियों को गुजरात के भुज से दबोच लिया। उनकी पहचान विक्की गुप्ता (24) और सागर पाल (21) के तौर पर हुई। हालांकि पकड़े जाने से पहले आरोपियों ने फायरिंग में इस्तेमाल किए गए हथियार को सूरत में तापी नदी में फेंक दिया था। जिस पुलिस ने बरामद कर लिया है। मुंबई क्राइम ब्रांच के डीसीपी दत्ता नलावडे ने कहा कि क्राइम ब्रांच के 10 अधिकारियों को सूरत भेजा गया है और पिछले 30 घंटों से तापी नदी में तलाशी अभियान चल रहा है। तलाशी अभियान में सोनार मशीन, दो बोट, मैगनेट और गोताखोरों का इस्तेमाल कर रहे है। अब तक 2 पिस्तौल, 4 मैगजीन और 17 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं बरामद हथियार आरोपियों द्वारा वारदात में इस्तेमाल किया गया है, इसलिए यह साक्ष्य के लिए महत्वपूर्ण है।"

तापी नदी से 2 पिस्टल, 4 मैगजीन और 17 जिंदा कारतूस बरामद

अजित पवार के बेटे और पत्नी को वाई-प्लस सुरक्षा

रोहित पवार ने कसा तंज, कहा- दो टैंक भी तैनात करने चाहिए

एन. के. पुरोहित । मुंबई

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार और उनके बेटे पार्थ पवार को वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा दी जा रही है। इस बात पर राकांपा (शरदचंद्र पवार) में पार्थ के चचेरे भाई रोहित पवार ने तंज करते हुए कहा कि पार्थ की सुरक्षा में दो टैंक भी लगाने चाहिए।

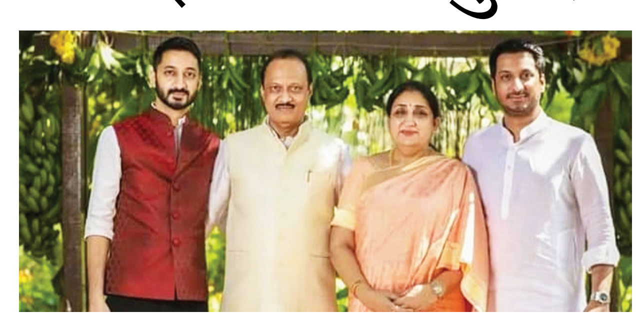

वाई प्लस सुरक्षा कवर देने का फैसला राज्य सरकार का

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार भी इस बार चुनावी रण में उतर चुकी हैं। वे राकांपा की बारामती लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रही हैं। अजित पवार के बेटे पार्थ पवार 2019 में मावल की लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने उतरे थे, लेकिन उनको हार का सामना करना पड़ा था। पार्थ पवार इस लोकसभा चुनाव में सुनेत्रा पवार के साथ चुनाव प्रचार में लगे हुए हैं। दोनों को ही वाई प्लस सुरक्षा जा रही है। पुणे पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार का कहना है कि वाई प्लस सुरक्षा कवर देने का फैसला राज्य सरकार ने लिया था।

पार्थ के चचेरे भाई ने साधा निशाना

इस सुरक्षा पर पार्थ के चचेरे भाई जो कि राकांपा (शरदचंद्र पवार) से हैं, उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि उप मुख्यमंत्री और गृहमंत्री देवेंद्र फड़नवीस राजनेताओं के बच्चों, अभिनेता और विधायकों को ही सुरक्षा प्रदान करने में लगे हुए हैं। वहीं आम आदमी उत्पीड़न का सामना कर रहा है, असामाजिक तत्वों से अपनी सुरक्षा को लेकर आम आदमी चिंतित है। उन्होंने तंज करते हुए कहा कि पार्थ को सुरक्षा देने के लिए दो टैंक भी तैनात किए जाने चाहिए।

मानसूनी आफत ▸ **महाराष्ट्र में बेमौसम बारिश का कहर**

बेमौसम बारिश से 13 दिनों में 17 लोगों की मौत

मुनीब चौरसिया । मुंबई

महाराष्ट्र के मराठवाड़ा में 13 दिनों तक हुई बेमौसम बारिश एवं ओलावृष्टि से 17 लोगों की मौत और 32 लोग घायल हो गए हैं। मराठवाड़ा के करीब 853 गांव प्रभावित हुए हैं और 15 हजार किसानों की 8 हजार हेक्टेयर की फसलें प्रभावित हुई हैं। यह जानकारी मराठवाड़ा विभागीय आयुक्त की ओर से किए गए सर्वे में मिली है।

13 दिनों तक बेमौसम बारिश

मराठवाड़ा के कई जिलों में 9 से 21 अप्रैल तक 13 दिनों तक बेमौसम बारिश हुई। इसके साथ ही कई तहसीलों में ओलावृष्टि भी हुई। इसके बाद औरंगाबाद विभागीय आयुक्त ने मराठवाड़ा के नुकसान ग्रस्त क्षेत्रों का सर्वे करवाया। इस दौरान मराठवाड़ा में 17 लोगों की मौत और 32 लोग घायल हो गए। घायलों का इलाज जारी है। इस घटना में 602 घरों को भी नुकसान हुआ है और 280 छोटे-बड़े जानवर भी मारे गये हैं।

महावितरण को करीब 1 करोड़ 70 लाख का नुकसान

छत्रपति संभाजीनगर शहर में शनिवार को हुई तूफानी हवा और बिजली के साथ बेमौसम बारिश से कई इलाकों में बिजली के खंभे और तार टूट गये हैं। इससे महावितरण को करीब 1 करोड़ 70 लाख का नुकसान उठाना पड़ा है। शहर के महावितरण के 27 में से 13 सबस्टेशन बंद हैं। इससे गारखेड़ा, पुंडलिकनगर जैसे कुछ इलाकों में 26 घंटे से ज्यादा समय तक बिजली आपूर्ति बाधित रही, लेकिन इन इलाकों में इस समय बिजली के सब स्टेशनों के मरम्मत का काम जारी है। बारिश का असर मराठवाड़ा के 481 गांवों में देखा गया है और जिलाधिकारी की टीम नुकसान भरपाई करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

जब तक BJP है, आरक्षण खत्म नहीं होगा : अमित शाह

दोपहर संवाददाता । मुंबई

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को महाराष्ट्र में हुंकार भरी और विपक्ष पर जमकर हमला बोला। अकोला में विशाल रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, मोदी की गारंटी है, जब तक बीजेपी है, तब तक देश से आरक्षण कोई खत्म नहीं कर सकता है। कांग्रेस वाले देश में झूठ फैला रहे है। कांग्रेस ने तो भारत की अर्थव्यवस्था को 11वें नंबर पर पहुंचा दिया था, लेकिन पीएम मोदी ने भारत की अर्थव्यवस्था को पांचवें पायदान पर पहुंचाया और अब तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद वह इसे पांचवें से तीसरे पायदान पर लाएंगे। कांग्रेस झूठ फैला रही है कि भाजपा की 400 सीटें आएंगी, तो आरक्षण चला जाएगा। अरे, कांग्रेस वालों हमें संविधान बदलने की ताकत इस देश की जनता ने 10 साल से दी है। हमने आरक्षण नहीं हटाया, बल्कि हमने पूर्ण बहुमत का उपयोग 370 हटाने, तीन तलाक हटाने, आतंकवाद समाप्त करने और सीएए लाने के लिए किया। कांग्रेस झूठ फैला रही है, दावा कर रही है कि अगर बीजेपी चुनाव में 400 सीटें जीतेगी तो आरक्षण हटा दिया जाएगा। जब तक बीजेपी है, इस देश से SC/ST और OBC का आरक्षण कोई नहीं हटा सकता। ये मोदी की गारंटी है।

34 साल बाद हत्यारोपी गिरफ्तार

पार्टी में दोस्त की हत्या कर हुआ था फरार

दोपहर संवाददाता | पालघर

ठाणे जिले से 34 साल से फरार चल रहे 61 वर्षीय हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी ने एक पार्टी के दौरान एक शख्स की चाकू से मारकर हत्या कर दी थी। उसके बाद से फरार चल रहा था। इसी बीच मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने उसे धर दबोचा। एमबीवीवी पुलिस के सहायक पुलिस आयुक्त (अपराध) मदन बल्लाल ने बताया कि आरोपी का नाम जहांगीर दीनमोहम्मद शेख है। दिसंबर 1990 में मुंबई के मीरा रोड में एक घर में पार्टी चल रही थी। उसमें आरोपी और पीड़ित दोनों शामिल थे। उनके साथ पांच अन्य लोग भी पार्टी में मौजूद थे। पुलिस ने बताया कि किसी बात को लेकर पार्टी में झगड़ा हो गया। इस दौरान आरोपी जहांगीर दीनमोहम्मद शेख ने पीड़ित गेब्रियल उर्फ सुधाकर क्रिस्टन अमन्ना (22) की चाकू मारकर हत्या कर दी। इस वारदात में उसके साथ पांच अन्य लोग भी शामिल थे, जिन्हें उसी वक्त पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

क्या है मामला ? बताते चलें मुंबई पुलिस ने एक अन्य मामले में हत्या के आरोपी को वारदात के 31 साल बाद गिरफ्तार किया था। आरोपी की पहचान दीपक भिसे के रूप में हुई थी। उसे पुलिस ने पालघर जिले के नालासोपारा इलाके से गिरफ्तार किया था। उस पर 1989 में राजू चिकना की हत्या का आरोप है। इसके साथ ही उसके खिलाफ धर्मेंद्र सरोज नामक एक शख्स की हत्या का प्रयास करने का भी आरोप है। इस मामले में उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन साल 1992 में जमानत मिल गई थी। उसके बाद वो कभी भी अदालत में मामले की सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुआ। साल 2003 में अदालत ने उसे फरार घोषित कर दिया था। पुलिस जब भी कांदिवली के तुलस्करवाड़ी में दीपक भिसे के पते पर जाती, तो लोग बताते थे कि वो वहां बहुत सालों से नहीं आया है। शायद उसकी मौत हो गई है। लेकिन इसके बावजूद पुलिस उसकी सिद्दत से तलाश करती रही। एक दिन पुलिस दीपक भिसे की पत्नी का मोबाइल फोन नंबर हासिल करने में कामयाब हो गई। नालासोपारा में उसका पता लगा लिया। वहां पुलिस ने जब छापा मारा तो दीपक को देखकर दंग रह गई। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। वो वहां छुपकर अपनी पत्नी और बेटे के साथ रह रहा था।

शातिर चोर हुआ गिरफ्तार

7 मामलों का पर्दाफाश, 4 बाइक व 3 ऑटो रिक्शा बरामद

■ तीन महीनों में 7 चोरी की वारदातों को दिया था अंजाम

दोपहर संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी में वाहनों के चोरी की बढ़ती घटनाओं पर रोक लगाने के लिए क्राइम ब्रांच पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। जिसने तीन महीने के भीतर विभिन्न पुलिस स्टेशनों की सीमा में वाहन चोरी की सात वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस के मुताबिक भिवंडी के भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन में दर्ज 394/2024 भादवि कलम 379 मामले में क्राइम ब्रांच पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर वरिष्ट पुलिस निरीक्षक योगेश आव्हाड के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक श्रीराज माली, पुलिस हवलदार किशोर थोराथ, प्रकाश पाटील, अमोल इंगले ने संगमपाडा निवासी मो. अफजल इकबाल खान उर्फ बंटिया 22 को गिरफ्तार कर कुल सात चोरी के मामलों का खुलासा किया है। और उक्त युवक के पास से पुलिस ने 4 लाख 90 हजार रूपये मूल्य की चार मोटर साइकिल और तीन ऑटो रिक्शा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार उक्त आरोपी के पास से बरामद वाहनों का मामला भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन, ट्राम्बे मुंबई, विरार जिला पालघर, महात्मा फुले, कोलसेवाडी, नारपोली इन सभी पुलिस स्टेशनों में दर्ज है। आगे की कार्रवाई पुलिस कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

एसएच केलकर कंपनी में भीषण आग

खालापुर। खालापुर में एसएच केलकर कंपनी में भीषण आग लग गई। अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। बताया गया है कि जिस कंपनी में आग लगी वह एक केमिकल कंपनी है। कंपनी में केमिकल का स्टॉक होने के कारण फायर ब्रिगेड के लिए आग पर काबू पाना चुनौतीपूर्ण रहा।

हथियारों का जखीरा बरामद

ठाणे। लोकसभा चुनाव के अवसर पर ठाणे लोकसभा चुनाव के नामांकन के पूर्व ठाणे पुलिस आयुक्त की क्राइम ब्रांच ने हथियारों का भारी जखीरा बरामद किया है। इस घटनाक्रम में आरोपी शम्भू सुरेश महतो को गिरफ्तार कर लगभग साढ़े तीन लाख के हथियार बरामद किये हैं। सहायक पुलिस आयुक्त शेखर बागड़े ने यह बताया कि नामांकन के पूर्व यह सुनिश्चित करने के लिए कि लोकसभा चुनाव प्रक्रिया 2024 कानून और व्यवस्था को बिगाड़े बिना शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो। ठाणे शहर के पुलिस कमिश्नर ने क्राइम ब्रांच की टीमों को ज्यादा से ज्यादा अवैध हथियार विरोधी, मादक द्रव्य विरोधी अभियान चलाने के आदेश दिए हैं। उक्त आदेश के क्रियान्वयन के क्रम में 18/04/2024 को जब रंगदारी निरोधक दस्ता, अपराध शाखा, ठाणे शहर ड्यूटी पर था, सहायक निरीक्षक सुनील तारामले और पौनी/विजयकुमार राठौड़ को एक गुप्त मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली कि संदिग्घ व्यक्ति शंभू महतो नाम का एक अपराधी है। यह व्यक्ति बड़ी मात्रा में अवैध आग्नेयास्त्र, कारतूस के साथ गावथी कट्टे खरीदने और बेचने के लिए साकेत रोड, रबोडी, ठाणे पहुँच रहा है। इसके बाद शंभु सुरेश महतो, उम्र 35 वर्ष, बेरोजगार, टैगोर नगर विक्रोली ईस्ट, मुंबई के मूल गांव-बिहार माननीय पुलिस आयुक्त साओ ठाणे सिटी द्वारा जारी निषेधाज्ञा का उल्लंघन करते हुए अवैध हथियारों के साथ पाया गया, उसके खिलाफ राबोडी पुलिस स्टेशन संख्या 454/2024 आर्म्स एक्ट धारा में मामला दर्ज कर आरोपी को 25/04/2024 को पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

'PM मोदी के लिए अपशब्द बोलने वाला घर नहीं लौट पाएगा'

नारायण राणे ने दी चेतावनी

क्या कहा नारायण राणे ने ? उन्होंने कहा, "मुझे पता चला है कि विपक्षी दल जल्द ही सिंधुदुर्ग में एक रैली को संबोधित करेंगे। यह लोकतंत्र का हिस्सा है, इसलिए उनका यहां स्वागत है। लेकिन यदि कोई हमारे नेता, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपशब्दों वाली भाषा का इस्तेमाल करता है तो हम उस व्यक्ति को यहां से लौटने नहीं देंगे। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि कोराना वायरस महामारी के दौरान महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने टीका खरीद पर '15 प्रतिशत कमीशन' पाने का प्रयास किया था और उनकी सरकार के इस तरह के भ्रष्टाचार के खिलाफ जांच जारी है।

दोपहर संवाददाता | सिंधुदुर्ग

विपक्षी नेताओं की एक रैली से पहले केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने चेतावनी दी है कि अगर कोई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपशब्दों वाली भाषा का इस्तेमाल करेगा तो घर नहीं लौट पाएगा। तटीय महाराष्ट्र की रत्नागिरि-सिंधुदुर्ग लोकसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार राणे सोमवार को सिंधुदुर्ग जिले में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। शिवसेना में रह चुके राणे ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे और उनकी पार्टी के सांसद संजय राउत मोदी की आलोचना करते हैं लेकिन यह नहीं जानते कि वे क्या कह रहे हैं।

देसी पिस्तौल व दो जिंदा कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

दोपहर संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी क्राइम ब्रांच पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। जो अपने पास देसी पिस्तौल लिए धोबी तालाब इलाके के पास घूम रहा था। उसके पास से पुलिस ने देसी पिस्तौल व दो जिंदा कारतूस बरामद किया है।

जांच में जुटी पुलिस

पुलिस के अनुसार, पुलिस निरीक्षक श्रीराज माली व पुलिस हवलदार किशोर थोराथ को गुप्त सूचना मिली थी के एक युवक हथियार लिए धोबी तालाब के पास घूम रहा है। जानकारी मिलते ही भिवंडी क्राइम ब्रांच के वरिष्ट पुलिस निरीक्षक योगेश आव्हाड के मार्गदर्शन में पुलिस की टीम ने धामनकर स्थित माधवनगर निवासी ऑटो रिक्शा चालक आबिद अकरम अंसारी 24 को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से पुलिस ने एक देशी पिस्तौल व दो जिंदा कारतूस बरामद किया है। जिसके खिलाफ भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन में एफआईआर नबर 408/2024 में भारतीय आर्म्स एक्ट की कलम 3, 25 व महाराष्ट्र पुलिस एक्ट की कलम 37 (1), 135 के तहत मामला दर्ज किया है। जिसे भिवंडी न्यायालय ने तीन दिनों की पुलिस हिरासत में रखने का आदेश दिया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार युवक अवैध रूप से हथियार की बिक्री करने के उद्देश में था, परंतु युवक शहर में किसे हथियार बेचना चाहता था। इस की जांच पुलिस कर रही है।

खोया मोबाइल पाकर लोगों के चेहरे पर लौटी ख़ुशी

दोपहर संवाददाता | नालासोपारा

पेल्हार पुलिस ने चोरी और खोए हुए 20 मोबाइल फोन की तलाश कर मंगलवार की सुबह उसे उनके मालिकों को वापस लौटाया है। पेल्हार स्टेशन क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों में मोबाइल चोरी की घटनाएं बढ़ी हैं। चोरी के साथ-साथ खोए हुए मोबाइल को ट्रेस करना भी पुलिस के लिए बड़ी चुनौती है। पेल्हार पुलिस की अपराध शाखा की पुलिस ने लाखों रुपए कीमत के कुल 20 मोबाइल फोन को बरामद किया है।

पुलिस कार्रवाई से खुश हुई जनता

मंगलवार सुबह पुलिस स्टेशन में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान परिमंडल तीन के पुलिस उपायुक्त जयंत भजबले ने सभी मोबाइलों को उनके मालिकों को वापस दे दिया है। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित नागरिकों को साइबर क्राइम, मोबाइल चोरी से कैसे बचा जाए और मोबाइल व डेटा को कैसे सुरक्षित रखा जाए, इस पर मार्गदर्शन किया। मोबाइल वापस मिलने के बाद कई लोगों के चेहरे पर संतुष्टि दिखी, लोगों ने पुलिस को धन्यवाद दिया है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

बंद पड़ी राशन की दुकान को पुन: शुरू कराने के बदले में मांगी रिश्वत

दोपहर संवाददाता | ठाणे

ठाणे भ्रष्टाचार प्रतिबन्धक विभाग ने शहर के वसंत विहार के नाका पर सुरक्षा अधिकारी ठाणे वर्ग 2राजू धोंडी राम आकरूपे और उसके निजी सहायक रोशन मोदी को शिकायतकर्ता से पांच हजार रुपए की रिश्वत की राशि मांगने पर प्रकरण दर्ज किया है।ब्यूरो ने सुरक्षा अधिकारी के निजी सहायक रोशन मोदी को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है जबकि फरार घोषित सुरक्षा अधिकारी राजू धोंडी आकरूपे फरार हो गया है। ठाणे स्थित भ्रष्टाचार प्रतिबन्धक विभाग द्वारा बताया गया है कि, शिकायतकर्ता की अधिकृत रूप से बंद पड़ी राशन की दुकान को पुनः शुरू कराने के बदले में सुरक्षा अधिकारी राजू आकारूपे ने अपने सहायक रोशन मोदी के द्वारा पांच हजार रुपए की मांग की थी। ठाणे शहर के वसंत विहार नाके पर शाम साढ़े चार बजे के दरम्यान जब सुरक्षा अधिकारी राजू के सहायक रोशन मोदी शिकायतकर्ता से पांच हजार रुपए की रिश्वत ले रहे थे ठाणे के ब्यूरो द्वारा गिरफ्तार किए गए। सुरक्षा अधिकारी राजू के निजी सहायक रोशन मोदी ने बयान दिया है की यह राशि उन्होंने खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजू धोंडीराम आकरूपे के कहने पर ली है।इस मामले में ठाणे पुलिस आयुक्त क्षेत्र के चित्तलसर पुलिस स्टेशन में रिश्वत लेने का मामला दर्ज कराया गया है।

महाराष्ट्र हाउसिंग रेगुलेटर की बड़ी कार्रवाई

महारेरा ने सस्पेंड किए 212 हाउसिंग प्रोजेक्ट

दोपहर संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र हाउसिंग रेगुलेटर की बड़ी कार्रवाई सामने आयी है। महारेरा ने चिंता जताते हुए, घर खरीदारों को आगाह करते हुए बताया कि डेवलपर्स अपना काम सही तरीके से नहीं कर रहे हैं, जिससे साफ जाहिर होता है की डेवलपर्स रेगुलेशन और कंप्लायंस को नजरंदाज कर रहे हैं।

महारेरा ने सस्पेंड किए 212 हाउसिंग प्रोजेक्ट

महारेरा ने कंस्ट्रक्शन स्टेटस और क्वार्टरली रिपोर्ट नहीं सबमिट करने पर कार्रवाई की है। जनवरी से अप्रैल 2023 के बीच कई प्रोजेक्ट लॉन्च किए गए थे, जिन पर कार्यवाही की गई है। महारेरा ने 212 हाउसिंग प्रोजक्ट सस्पेंड कर दिए हैं।

जानें क्या है पूरा मामला? *महारेरा के पास जनवरी से अप्रैल 202* तक करीब 2369 प्रोजेक्ट्स ने अपना रजिस्ट्रेशन रेरा के पास किया है। जिसमे से करीब 886 ने अपना QPR जमा नही किया, जिसके चल महारेरा ने रेगुलेशन एंड डेवलपमेंट एक्ट 2016 के तहत इन प्रोजेक्ट पर नोटिस जारी किया, जिसमें उन्हें सुधार कर जवाब देने के लिए करीब 30 दिन का समय दिया गया था, इसके साथ ही सेक्शन 7 के तहत इन परियोजनाओं को सस्पेंड कर, प्रोजेक्ट के बैंक अकाउंट फ्रीज करने ट्रांजेक्शन रोकने का भी प्रावधान शामिल है इसके साथ कई बार रिमाइंडर भी भेजा गया, जिसके बाद 672 प्रोजेक्ट पर दंड लगाया गया जिसमें से करीब 244 प्रोजेक्ट अपने QPR अपडेट करने में सक्षम नहीं रहे।*

नोटिस और लेटर का नहीं दिया गया जवाब : *कुल डिफॉल्टर्स की बात करें तो जनवरी2023 के 60, फरवरी के 58, मार्च के 40 और अप्रैल के 56 ऐसे रजिस्टर्ड प्रोजेक्ट्स जिन्होंने आज तक कभी भी रेगुलेटर द्वारा भेजें गए नोटिस और लेटर का जवाब तक नही दिया। इन्ही संदेहजनक चीजों को नोटिस करने के बाद हाउसिंग रेगुलेटर ने ग्राहक सुरक्षा और संरक्षण हेतु प्रोजेक्ट्स के नाम अपने वेबसाइट पर पब्लिक कर दिए।*

महाराष्ट्र तीसरा चरण

11 लोकसभा सीटों पर मैदान में 258 उम्मीदवार

मुंबई। महाराष्ट्र में तीसरे चरण की 11 लोकसभा सीटों पर होने वाले चुनाव में 258 उम्मीदवार मैदान में है। सोमवार को नाम वापसी के अंतिम दिन 59 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन वापस लिया। तीसरे चरण के लिए 12 अप्रैल को नामांकन की प्रक्रिया शुरू हुई थी। 20 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच की गई थी। इन 11 लोकसभा सीटों के लिए 7 मई को वोट डाले जाएंगे।

11 संसदीय क्षेत्रों से कुल 519 नामांकन प्राप्त

चुनाव आयोग के मुताबिक राज्य में तीसरे चरण के चुनाव के लिए 11 संसदीय क्षेत्रों से कुल 519 नामांकन प्राप्त हुए थे। इनमें 40-उस्मानाबाद सीट पर सबसे अधिक 77 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र भरे थे। जांच के बाद 317 नामांकन पत्र वैध पाए गए और नाम वापस लेने के बाद 258 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। तीसरे चरण में जिन 11 लोकसभा सीटों पर चुनाव होना है, उनमें रायगढ़, बारामती, उस्मानाबाद, लातूर, सोलापुर, माढा, सांगली, सातारा, रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग, कोल्हापुर और हाथकणंगले शामिल है।

आकाशीय बिजली गिरने से एक मजदूर की मौत, 2 घायल

छत्रपति संभाजीनगर। छत्रपति संभाजीनगर जिले के कन्नड़ में कोलसवाड़ी गांव में मंगलवार शाम करीब 4 बजे अचानक आकाशीय बिजली गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई और दो मजदूर घायल हो गए हैं। दोनों घायलों को इलाज के लिए घाटी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस घटना के बाद जिलाधिकारी की टीम कोलसवाड़ी गांव में पहुंची है और मौके का जायजा ले रही है। जानकारी के अनुसार मंगलवार को कोलसवाड़ी गांव में 18 मजदूर खेत से प्याज निकालने का काम कर रहे थे। शाम करीब चार बजे अचानक जोर से बारिश शुरु हुई और बिजली कडक़ने लगी। इसी दौरान तीन मजदूर खेत के पास पेड़ के पास खड़े गए थे। अचानक आकाशीय बिजली गिरने से पेड़ के पास खड़े मजदूरों में से रावसाहेब खांडू निल (उम्र 35) की मौके पर ही मौत हो गई।

दोपहर एंकर महाराष्ट्र में दूसरे फेज में DMK फैक्टर से तय होगी हार-जीत

मराठों का नहीं रहेगा दबदबा

दोपहर संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में दूसरे चरण के लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान अपने चरम पर है। पूर्वी विदर्भ की पांच निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 19 अप्रैल को पहले चरण में मतदान हुआ। इसके बाद सियासी दलों का पूरा ध्यान अब पश्चिमी विदर्भ की बाकि पांच निर्वाचन क्षेत्रों- अकोला, बुलढाणा, अमरावती, यवतमाल-वाशिम और वर्धा पर केंद्रित हो गया है। जहां दूसरे फेज में 26 अप्रैल को मतदान होगा।

26 अप्रैल को होगा दूसरे फेज का मतदान

महाराष्ट्र में दूसरे फेज का मतदान 26 अप्रैल को होगा। मतदान की तारीख करीब आने के साथ ही पश्चिमी विदर्भ में राजनीतिक लड़ाई तेज होती जा रही है। इस क्षेत्र के प्रमुख चुनावी मुद्दे कृषि संकट, महंगाई और बेरोजगारी है।

मराठा नहीं होंगे हावी?

तेली और कुनबी समुदाय दोनों ओबीसी में आते हैं, जो विदर्भ में हार-जीत के समीकरण को काफी प्रभावित करते हैं। वहीँ, यहां कुनबी की वफादारी सभी पार्टियों से दिखती है, तेली समुदाय के वोटरों का रुझान अपने जाति के उम्मीदवारों के पीछे अधिक होता हैं। पहले से ऐसी आशंका है कि मराठा समुदाय अपने आरक्षण को लेकर बीजेपी, शिवसेना (एकनाथ शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) के महायुति गठबंधन के खिलाफ मतदान कर सकता है। लेकिन चुनावी विश्लेषकों का मानना है कि मराठा फैक्टर विदर्भ के चुनावी नतीजे को ज्यादा प्रभावित नहीं कर सकता है। हालाँकि, मराठा वोटर पड़ोसी मराठवाड़ा क्षेत्र में नतीजों को जरुर पलट सकते है।

DMK फैक्टर से जीत-हार तय : नागपुर समेत पूर्वी विदर्भ के अन्य क्षेत्रों के विपरीत पश्चिमी विदर्भ के ये पांच निर्वाचन क्षेत्र जाति के आधार पर विभाजित हैं। चुनाव विश्लेषकों के अनुसार, पहले के चुनावों को देखे तो पश्चिमी विदर्भ में मतदाताओं ने मुख्य रूप से अपने ही समुदाय के उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी है। यानी यहां के चुनावी नतीजों में जातिगत वोट हावी होता है। पश्चिमी विदर्भ में जातियों को सही से साधने वाला ही जीत का पताका फहराता है। इसमें 'डीएमके फैक्टर' यानी (दलित, मुस्लिम और कुनबी) सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए महायुति हो या महाविकास आघाडी सभी ने इस जाति फैक्टर को ध्यान में रखते हुए रणनीतिक बनायीं है और उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है।

दो बजे
दोपहर
मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अनमोल विचार उद्देश्य पूर्ण जीवन ही आपके जीवन का मुख्य उद्देश्य होना चाहिए : सचिन तेंदुलकर

न्यूज़ ब्रीफ

बिजली बिल ने बढ़ाया पारा

मई महीने से बढ़ेगा बिजली बिल

मुंबई। इस गर्मी में बिजली बिल का झटका मुंबई के उपभोक्ताओं को लगेगा। मुंबईकरों को जहां भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं अब उन्हें मई से बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी की मार भी झेलनी पड़ेगी। अडानी बिजली कंपनी की बिजली महंगी है। बिजली के दाम बढ़ने से करीब 30 लाख बिजली उपभोक्ता प्रभावित होंगे। पिछले वर्ष ईंधन की लागत में वृद्धि हुई है। ईंधन की कीमत में इस बढ़ोतरी से बिजली कंपनियों को घाटा हो रहा है। इसके चलते अडानी कंपनी ने राज्य विद्युत नियामक आयोग के समक्ष 318 करोड़ 38 लाख रुपये वसूलने का प्रस्ताव दिया था।

ऐसे बढ़ेगी बिजली की कीमत

मई के बिल से आवासीय ग्राहकों के लिए ईंधन अधिभार 70 पैसे बढ़कर 1.70 रुपये प्रति यूनिट हो जाएगा।

- 0-100 यूनिट बिजली खपत वाले आवासीय ग्राहकों से 70 पैसे प्रति यूनिट
- 101-300 इकाइयों के लिए 1.10
- 301-500 इकाइयों के लिए 1.5
- 500 से ज्यादा बिजली खपत पर 1.70 रुपये का फ्यूल सरचार्ज

जोगेश्वरी-विक्रोली लिंक रोड पर काम शुरू

दोपहर संवाददाता | मुंबई

जोगेश्वरी - विक्रोली लिंक रोड पर मिलिंद नगर पुल की मरम्मत का काम शुरू हो गया है। इसके कारण उत्तर और दक्षिण मार्ग पर यातायात धीमी गति से चल रहा है। इस वजह से इस मार्ग पर काफी ट्रैफिक जाम भी हो रहा है। यही वजह है कि मुंबई पुलिस के ट्रैफिक विंग की ओर से एक पर्चा निकाला गया है, जिसमें मोटर चालकों और यात्रियों से वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की गई है।

वैकल्पिक मार्ग

- ईस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे
- वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे
- अंधेरी-घाटकोपर लिंक रोड (एजीएलआर)
- साकी विहार रोड
- एमआईडीसी सेंट्रल रोड
- हीरानंदानी लिंक रोड
- सांता क्रूज़ चेंबूर लिंक रोड (एससीएलआर)
- सायन-बांद्रा लिंक रोड

दाऊदी बोहरा उत्तराधिकार मुकदमा खारिज

कोर्ट ने सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन के दावे को रखा बरकरार

दोपहर संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने लंबे समय से विवादास्पद दाऊदी बोहरा शिया समुदाय के नास (उत्तराधिकारी) पद को लेकर अहम फैसला सुनाया है। पीठ ने सैयदना ताहेर फखरुद्दीन की उस याचिका को खारिज कर दिया है जिसमें सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन के उत्तराधिकारी पद को चुनौती दी गई थी। याचिका में ताहेर ने दावा किया था कि असली उत्तराधिकारी वो है और दाऊदी बोहरा समुदाय की सभी चल और अचल संपति पर उसका हक है। उन्होंने अदालत से यह भी मांग की है कि मुफद्दल को समुदाय की किसी भी संपति में घुसने न दिया जाए। हालांकि अदालत ने मुफद्दल की उत्तराधिकारी की उपाधि को सही पाया है।

कौन हैं सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन? सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन 53वें अल-दाई अल-मुतलक और विश्वव्यापी दाऊदी बोहरा समुदाय के वर्तमान नेता हैं। सैयदना सैफुद्दीन दुनिया भर में अपने अनुयायियों का मार्गदर्शन करते हैं और उन्हें उनकी आस्था, संस्कृति और विरासत के करीब लाते हैं।

9 साल तक चला मुकदमा

सैयदना उत्तराधिकार विवाद में मुकदमा समाप्त हुआ और नौ साल तक चलने वाले फैसले को अप्रैल 2023 में सुरक्षित रखा गया। अंतिम सुनवाई नवंबर 2022 में शुरू हुई और अप्रैल 2023 में समाप्त हुई। 2014 में 52वें सैयदना मोहम्मद बुरहानुद्दीन का निधन हो गया और उनके बेटे मुफद्दल सैफुद्दीन 53वें सैयदना बने। सैयदना बुरहानुद्दीन के सौतेले भाई खुजैमा कुतुबुद्दीन ने सैफुद्दीन के उत्तराधिकार को चुनौती देते हुए दावा किया कि सैयदना बुरहानुद्दीन ने 1965 में गुप्त रूप से उन्हें उत्तराधिकार की आधिकारिक घोषणा 'नास' प्रदान की थी। कुतुबुद्दीन ने दावा किया कि सैफुद्दीन ने फर्जी तरीके से सैयदना का पद संभाला था। कुतुबुद्दीन ने दावा किया कि 1965 में बुरहानुद्दीन के दाई बनने के बाद, उन्होंने 10 दिसंबर, 1965 को माजून की घोषणा से पहले, सार्वजनिक रूप से कुतुबुद्दीन को माजून (दूसरी कमान) के रूप में नियुक्त किया था और एक गुप्त नास के माध्यम से निजी तौर पर उन्हें अपने उत्तराधिकारी के रूप में नियुक्त किया था।

बेटे ने जारी रखी थी कानूनी लड़ाई

कुतुबुद्दीन का 2016 में निधन हो गया, जिसके बाद उनके बेटे ताहिर फखरुद्दीन ने कानूनी लड़ाई जारी रखी और 54वें दाई के रूप में मान्यता मांगी। फखरुद्दीन ने दावा किया कि उनके पिता कुतुबुद्दीन ने उन्हें 'नास' की उपाधि प्रदान की थी। अदालत ने मुकदमे की स्थिरता, वैध 'नास' की आवश्यकताएं, क्या मूल वादी कुतुबुद्दीन और उसके बाद उसके बेटे फखरुद्दीन को वैध 'नास' प्रदान किया गया था, क्या 'नास' को रद्द किया जा सकता है या बदला जा सकता है, सहित पांच मुद्दे तय किए। क्या प्रतिवादी सैफुद्दीन को वैध 'नास' प्रदान किया गया था। फखरुद्दीन के वकील आनंद देसाई ने तर्क दिया कि एक बार प्रदान किया गया 'नास' स्थायी है और इसे बदला नहीं जा सकता है। इसके विपरीत, बचाव पक्ष (सैफुद्दीन) के लिए वरिष्ठ वकील जनक द्वारकादास ने जोर देकर कहा कि 'नास' को बदला जा सकता है, और भले ही कुतुबुद्दीन को 'नास' प्रदान किया गया हो, केवल अंतिम 'नास' मान्य होगा जो सैफुद्दीन को प्रदान किया गया था।बचाव पक्ष ने दावा किया कि 52वें दाई बुरहानुद्दीन ने 4 जून, 2011 को गवाहों की उपस्थिति में अपने बेटे सैफुद्दीन को 'नास' प्रदान किया था। बचाव पक्ष ने प्रस्तुत किया कि 20 जून, 2011 को सैफुद्दीन को सार्वजनिक रूप से उत्तराधिकारी-नामित के रूप में पुष्टि की गई थी। बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि कुतुबुद्दीन के 'नास' के पास कोई गवाह नहीं था, और 2011 और 2014 के बीच उनकी कथित नियुक्ति के बारे में उनकी चुप्पी पर सवाल उठाया। बचाव पक्ष ने दावा किया कि सैफुद्दीन को 1969, 2005 और जून 2011 में दो बार नियुक्त किया गया था। हालांकि, देसाई ने तर्क दिया कि सैफुद्दीन पर चार 'नारे' गढ़े गए।

'अलग-अलग ग्रहों पर बीजेपी को मिलेंगी 800 सीटें'

मावल की सभा में आदित्य ठाकरे ने कसा तंज

दोपहर संवाददाता | मुंबई

शिवसेना (उद्धव गुट) नेता व विधायक आदित्य ठाकरे ने मंगलवार को बीजेपी पर जोरदार हमला बोला। महाविकास अघाड़ी के मावल के उम्मीदवार संजोग वाघेरे की उम्मीदवारी दाखिल करने पहुंचे पिंपरी चिंचवड़ पहुंचे आदित्य ने बीजेपी के अबकी बार 400 पार के नारे पर तंज कसते हुए कहा कि अलग-अलग ग्रहों पर बीजेपी को 800 सीटें मिलेंगी। उन्होंने कहा कि हार के डर से पीएम नरेंद्र मोदी एक बार फिर से हिंदू-मुस्लिम का मुद्दा उठाने लगे हैं।

उद्धव सरकार के महायुति शासन की तुलना

युवाओं से आदित्य ने कहा कि आपने पिछले पांच साल देखे हैं। कोरोना में ठाकरे सरकार ने कितनी गंभीरता से काम किया ये साफ नजर आया, लेकिन इस सरकार ने यहां की परियोजनाओं को गंवा दिया। मैंने स्वयं प्रयास किया था कि वेदांता-फॉक्सकॉन परियोजना न जाए। यदि वह प्रोजेक्ट यहां होता तो क्या हमें नौकरियां नहीं मिलतीं? परियोजना, विश्व कप मैच सभी को गुजरात ले जाया गया। ऐसा कहते हुए आदित्य ने तंज कसा कि कुछ राज्यों का विकास दूसरे राज्यों की बर्बादी और गुजरात की दिवाली। उन्होंने कहा कि महिलाओं को उद्धव ठाकरे पर बहुत भरोसा है और वहां मौजूद महिलाओं से पूछा कि क्या आप वर्तमान सरकार में सुरक्षित महसूस करती हैं? नेताओं के साथी मंत्रालय में आकर गुंडई कर रहे हैं।

अब की भाजपा तड़ीपार

उम्मीदवारी अर्ज दाखिल करने के दौरान आदित्य ने वाघेरे के कान में कहा कि आप सिर्फ आवेदन पत्र भरते समय कोई गलती न करें। जनता ने भी ये तय कर लिया है, कोई गलती नहीं होनी चाहिए। बीजेपी कहती है अबकी बार 400 पार, लेकिन जब हम दिल्ली गए तो हमने क्या कहा, अब की बार भाजपा तड़ीपार।

शिंदे गुट पर निशाना

स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए आदित्य ने सवाल पूछा कि बीते दो वर्षों में बेमौसम बारिश और सूखा पड़ा लेकिन क्या कोई मंत्री आपके पास आया? क्या आपको मदद मिली? क्या मैं झूठ बोल रहा हूं? तो क्या अगले और पांच साल केंद्र और राज्य की सरकार को आप वहन कर पाएंगे? भाजपा सरकार किसानों पर लाठियां चलवाईं, क्या आप ऐसी बीजेपी को वोट देंगे?

कस्टम डिपार्टमेंट ने जब्त किया 6.46 करोड़ का माल

नूडल्स के पैकेट में हीरे और अंडरगारमेंट्स में सोना छिपाकर ले जा रहा था यात्री

दोपहर संवाददाता | मुंबई

सीमा शुल्क विभाग ने मुंबई हवाई अड्डे पर नूडल्स के पैकेट में छिपाए गए हीरे और अंडरगारमेंट्स में छिपाकर लाया गया सोना जब्त किया। इनकी कुल कीमत 6.46 करोड़ रुपये है। इस मामले में चार यात्रियों को गिरफ्तार किया गया। कस्टम डिपार्टमेंट ने सोमवार देर रात जारी एक विज्ञप्ति में बताया कि सप्ताहांत में 4.44 करोड़ रुपये मूल्य का 6.8 किलोग्राम से अधिक सोना और 2.02 करोड़ रुपये के हीरे जब्त किए गए। मुंबई से बैंकॉक जा रहे एक भारतीय नागरिक को रोका गया और उसे ट्रॉली बैग के अंदर नूडल्स के पैकेट में छिपाकर हीरे की तस्करी करते हुए पाया गया। अधिकारी ने बताया कि यात्री को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया।

अंडरगारमेंट्स के अंदर लेकर जा रहा था सोने की ईंटें

इसी तरह कोलंबो से मुंबई की यात्रा कर रही एक विदेशी नागरिक को रोका गया और उसे अपने अंडरगारमेंट्स के अंदर छुपाकर सोने की ईंटें और एक कटा हुआ टुकड़ा मिला, जिसका कुल वजन 321 ग्राम था। इसके अलावा, दुबई और अबू धाबी से यात्रा करने वाले दो-दो और बहरीन, दोहा, रियाद, मस्कट, बैंकॉक और सिंगापुर से एक-एक यात्रा करने वाले 10 भारतीय नागरिकों को भी रोका गया। उनके पास से 6.199 किलोग्राम सोना पाया गया, जिसकी कीमत 4.04 करोड़ रुपये थी।

10 स्विमिंग पूल में दिया जाएगा तैराकी का प्रशिक्षण

दोपहर संवाददाता | मुंबई

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने गर्मी की छुट्टियों के दौरान अपने 10 स्विमिंग पूल में स्विमिंग का प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया है। यह प्रशिक्षण 21 दिनों की होगी। यह प्रशिक्षण 2 मई 2024 से शुरू किया जा रहा है। तो वही ट्रेनिंग का दूसरा पीरियड 23 मई 2024 से शुरू होगा। इस कोर्स के लिए रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन किया जा सकता है। लिंक बुधवार, 24 अप्रैल, 2024 को सुबह 11 बजे से सक्रिय हो जाएगी। जिस तरह स्विम्मिंग एक खेल है। उसी तरह यह व्यायाम का भी एक अच्छा रूप है। बीएमसी क्षेत्र में नगर निगम के

10 स्विमिंग पूल कार्यरत हैं ताकि मुंबई के नागरिकों को इस प्रकार के खेल और व्यायाम का अवसर मिल सके। हालांकि, स्वीमिंग में वैज्ञानिक प्रशिक्षण की कमी के कारण कई अभ्यर्थी इस खेल से दूर रहते हैं। यह प्रशिक्षण 2 मई 2024 से 21 दिनों के लिए शुरू किया जा रहा है। तो वही ट्रेनिंग का दूसरा पीरियड 23 मई 2024 से शुरू होगा।

स्विमिंग प्रशिक्षण के लिए मामूली शुल्क

मिली जानकारी के अनुसार, स्विमिंग प्रशिक्षण के लिए मामूली शुल्क लिया जाएगा। 15 वर्ष तक के बच्चों, 60 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों, विकलांग व्यक्तियों के लिए 2 हजार 100 रुपए और 16 से 60 वर्ष की आयु के नागरिकों के लिए 3 हजार 150 रुपए शुल्क लिया जाएगा। प्रशिक्षण 21 दिनों तक प्रतिदिन तीन ब्लॉकों में दोपहर 12.30 बजे से 1.30 बजे, दोपहर 2 बजे से 3 बजे तक और 3.30 बजे से 4.30 बजे तक आयोजित किया जाएगा। रजिस्ट्रेशन https://swimmingpool.mcgm.gov.in इस वेबसाइट पर जा कर की जा सकती है।

स्विमिंग पूल लिस्ट

- महात्मा गांधी मेमोरियल ओलंपिक स्विमिंग पूल, दादर (पश्चिम)
- जनरल अरुण कुमार वैद्य ओलंपिक स्विमिंग पूल, चेंबूर (पूर्व)
- सरदार वल्लभभाई पटेल ओलंपिक स्विमिंग पूल, कांदिवली (पश्चिम)
- बृहन्मुंबई नगर निगम दहिसर (पश्चिम) स्विमिंग पूल, कंदरपाड़ा, दहिसर (पश्चिम)
- बृहन्मुंबई नगर निगम मलाड (पश्चिम) स्विमिंग पूल, चाचा नेहरू ग्राउंड, मलाड (पश्चिम)
- बृहन्मुंबई नगर निगम अंधेरी (पश्चिम) स्विमिंग पूल, गिल्बर्ट हिल, अंधेरी (पश्चिम)
- बृहन्मुंबई नगर निगम अंधेरी (पूर्व) स्विमिंग पूल, कोंडिविता गांव, अंधेरी (पूर्व)
- बृहन्मुंबई नगर निगम वर्ली स्विमिंग पूल, वर्ली रिजर्वायर हिल, वर्ली
- बृहन्मुंबई नगर निगम विक्रोली स्विमिंग पूल, टैगोर नगर, विक्रोली (पूर्व)
- बृहन्मुंबई नगर निगम वडाला स्विमिंग पूल, वडाला फायर स्टेशन, वडाला

हाईकोर्ट का सिविल जज को बहाल करने से इनकार

दोपहर संवाददाता | मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय ने नशे की हालत में अदालत आने के आरोपी एक सिविल न्यायाधीश को सेवा में बहाल करने से इनकार किया। अदालत ने मंगलवार को कहा कि न्यायाधीशों को गरिमा के साथ काम करना चाहिए। ऐसा आचरण या व्यवहार नहीं करना चाहिए, जिससे न्यायपालिका की छवि पर असर पड़े।

क्या है मामला ?

52 वर्षीय अनिरुद्ध पाठक ने उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की थी और कथित तौर पर अनुचित व्यवहार के कारण सिविल न्यायाधीश (जूनियर डिवीजन) के पद से हटाए जाने व कई मौकों पर नशे की हालत में अदालत आने के आरोपों को चुनौती दी थी। पाठक ने जनवरी 2022 के महाराष्ट्र सरकार के कानून और न्यायपालिका विभाग द्वारा पारित एक आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें न्यायिक सेवा से हटा दिया गया था। नंदुरबार के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की ओर रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद यह आदेश पारित किया गया । न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर और न्यायमूर्ति जेएस जैन की खंडपीठ ने याचिका खारिज की और कहा कि पाठक को सेवा से हटाने का आदेश गलत नहीं पाया गया और न ही बिना सोचे-समझे पारित किया गया।

'गिरफ्तारी के डर से फडणवीस ने शिवसेना में फूट डाली'

फोन टैपिंग मामले में संजय राउत का दावा

मुंबई। शिव सेना (UBT) नेता संजय राउत ने मंगलवार को बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि कथित फोन टैपिंग मामले में गिरफ्तारी के डर से महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने शिव सेना में फूट डाल दी है। राउत ने कहा कि लोकसभा चुनावों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार हार जाएगी। उन्होंने कहा कि नई सरकार भाजपा नेताओं और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ बंद किए मामलों की जांच करेगी।

2022 में शिवसेना का हुआ विभाजन

जून 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में पार्टी के अधिकांश विधायकों द्वारा पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे के खिलाफ विद्रोह करने के बाद शिवसेना विभाजित हो गई। पिछले साल, चुनाव आयोग के साथ-साथ राज्य विधानसभा अध्यक्ष ने शिंदे गुट को असली शिवसेना के रूप में मान्यता दी और धनुष और तीर का प्रतीक आवंटित किया।

2019-2022 तक इनके खिलाफ हुई थी जांच

राउत ने कहा कि जब 2019-2022 तक उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सत्ता में थी, तब भाजपा नेताओं प्रवीण दरेकर, प्रसाद लाड, आशीष शेलार, गिरीश महाजन के खिलाफ विभिन्न मामलों में जांच चल रही थी। राउत ने दावा किया 'आप हमारे नेताओं को गिरफ्तार कर सकते हैं, तो क्या हम आपके राजनीतिक दल के नेताओं को नहीं छू सकते। देवेंद्र फडणवीस पर विरोधियों के फोन टैप करने का गंभीर आरोप लगा है।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

वृक्ष प्राधिकरण

सार्वजनिक सूचना

महाराष्ट्र (शहरी क्षेत्र) वृक्षों का संरक्षण एवं परिरक्षण अधिनियम 1975 (1 जनवरी 2018 तक संशोधित) की धारा 8 (3) (क) के अंतर्गत प्रावधान के अनुपालन में परिमंडल-3 के अंदर **के/पूर्व** विभाग से **01** प्रस्ताव **एच/पूर्व** विभाग से **01** प्रस्ताव और **एच/पश्चिम** विभाग से **02** प्रस्ताव यानी कुल **02** प्रस्ताव वृक्षों को हटाने के लिए मनपा आयुक्त/अध्यक्ष, वृक्ष प्राधिकरण (बीएमसी)/ उक्त अधिनियम की धारा 8 (6) महाराष्ट्र (शहरी क्षेत्र) वृक्षों का संरक्षण एवं परिरक्षण अधिनियम 1975.(1 जनवरी 2018 तक संशोधित) के तहत मंजूरी के लिए प्राप्त हुआ है।

उपरोक्त प्रस्तावों के अंतर्गत पेड़ों की कटाई/पुर्नरोपित करने के बारे में विस्तृत जानकारी मनपा के www.mcgm.gov.in वेबसाइट पर बृहन्मुंबई महानगरपालिका के बारे में विभाग और वार्ड की नियमावली संबंधित सूचना पुस्तिका/गार्डन और वृक्ष प्राधिकरण- दस्तावेज- वृक्ष अनुमति 21 दिन ---298(के/पूर्व),299(एच/डब्लू),300(एच/ई),301(एच/डब्लू)- जोन -3. पर उपलब्ध है।

उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष प्राधिकरण अधिकारी,
वृक्ष अधिकारी का कार्यालय, पेग्विन इमारत, 2री मंजिल
वीरमाता जीजाबाई भोसले उद्यान,भायखला (पूर्व), मुंबई-400027.
टेली नं -23742162
ईमेल- dysg.ta@mcgm.gov.in

पीआरओ/30/विज्ञा./2024-25

हस्ता/
उद्यान अधीक्षक व वृक्ष प्राधिकरण

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

संपादकीय

वोट बनाम नोट

लोकसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग और अन्य एजेंसियों की सक्रियता से बरामद करीब पौने पांच हजार करोड़ रुपये इस बात की ओर संकेत है कि जनतंत्र के सामने धनबल की चुनौती कितनी बड़ी हो चुकी है। विडंबना देखिये कि स्वतंत्र भारत के आम चुनावों के क्रम में यह अब तक की सबसे बड़ी नकदी की बरामदगी है। चुनाव आयोग का दावा है कि हर रोज सौ करोड़ रुपये की बरामदगी होती रही है। निश्चय ही ये हालात भारतीय लोकतंत्र के भविष्य के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। आज जनप्रतिनिधि संस्थाओं में करोड़पति माननीयों की लगातार बढ़ती संख्या बताती है कि धनतंत्र का दायरा लोकतंत्र में लगातार किस हद तक बढ़ता जा रहा है। इस संकट का बढ़ना बताता है कि हमारे राजनीतिक दलों की तरफ से इस दिशा में कोई ईमानदार पहल नहीं हुई है। निःसंदेह, उस दिन चुनावों में धनबल की भूमिका गौण हो जाएगी, जिस दिन राजनीतिक दल निहित स्वार्थों को छोड़कर इस दिशा में ईमानदार कोशिश करेंगे। 21वीं सदी में भी यदि भारतीय लोकतंत्र में आम चुनावों के दौरान धनबल, बाहुबल, अफवाह तंत्र की दखल तथा आचार-संहिता के उल्लंघन का सिलसिला जारी है तो इसका मतलब है कि हम अभी तक परिपक्व व जिम्मेदार नागरिक तैयार नहीं कर पाए। सवाल यहां धनबल का ही नहीं है, छापों के दौरान बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की बरामदगी भी एक बड़ी चिंता का विषय होना चाहिए। चुनाव आयोग की तरफ से बरामदगी के जारी आंकड़े बताते हैं कि इसमें 45 फीसदी नशीले पदार्थों की बरामदगी है। ऐसे में इस साल मतदान की प्रक्रिया से जुड़ रहे 1.8 करोड़ नये मतदाताओं को हमें लोकतंत्र की मौजूदा विसंगतियों से दूर रखना है। यदि हम ऐसा कर पाने में सफल होते हैं, तो तभी हम स्वस्थ लोकतंत्र की बुनियाद रख पाएंगे। ऐसे में हमारी प्राथमिकता हो कि हम नोटों की गड्डी की बजाय वोट की पवित्रता को अपनी प्राथमिकता बनाएं। यदि हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था पारदर्शी हो तो देश में स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव का मार्ग प्रशस्त होता है। सही मायनों में निष्पक्ष चुनाव ही लोकतंत्र की आधारशिला है। बहरहाल, चुनाव आयोग की हालिया सख्ती और विसंगतियों पर तुरंत कार्रवाई व गाहे-बगाहे शीर्ष अदालत द्वारा चुनाव सुधारों के लिये रचनात्मक पहल ने लोकतंत्र के बेहतर भविष्य के प्रति उम्मीद जगाई है। निःसंदेह चुनाव प्रक्रिया कदाचार से मुक्त होनी ही चाहिए। यह आयोग के साथ ही देश के जागरूक मतदाताओं की जिम्मेदारी भी है। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि किसी भी चुनाव में प्रत्याशियों के लिए चुनावी प्रतियोगिता का मंच समतल ही हो। और साथ ही किसी तरह के भेदभाव से मुक्त हो। निःसंदेह, हमारी मौजूदा कानून व्यवस्था में राजनेताओं के भ्रष्टाचार व आर्थिक अनियमितताओं पर रोक लगाने में जो खामियां हैं, उन्हें दूर करने का प्रयास करना चाहिए। दरअसल, चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनाये रखने के लिए चुनाव आयोग का सरकार व दल विशेष के प्रभाव से मुक्त होना भी बेहद जरूरी है ताकि वह किसी भी राजनीतिक दल के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई कर सके। इसमें दो राय नहीं है कि चुनावी प्रक्रिया में किसी भी तरह के भ्रष्टाचार से निपटने के लिए लोकतांत्रिक संस्थानों की स्वतंत्रता, स्वायत्तता, पारदर्शिता, जवाबदेही तथा नागरिकों के जुड़ाव को बढ़ावा देना प्राथमिकता होनी चाहिए। दरअसल, अप्रिय स्थिति से बचने के लिए जहां नियमों व कानूनों को प्रभावी व व्यापक बनाने की जरूरत है, वहीं आधुनिक प्रौद्योगिकी के जरिये हम चुनाव प्रक्रिया की कार्यक्षमता बढ़ाने तथा पक्षपात के आक्षेपों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वहीं चुनावी प्रक्रिया में गलत तरीकों से पहुंचने वाले पैसे पर नियंत्रण के लिए आवश्यक है कि राजनीतिक व्यय पर डिजिटल उपकरणों के जरिये सख्त निगाह रखी जाए। हमें अपनी चुनावी व्यवस्था में नियामक ढांचे को मजबूत करके स्वतंत्र व पारदर्शी लोकतंत्र की राह मजबूत करनी चाहिए।

एआई के प्रसार से बढ़ा जैविक हथियारों का खतरा

मुकुल व्यास

दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का जोर बढ़ रहा है। कृत्रिम बुद्धि विभिन्न क्षेत्रों में अपनी जड़ें फैला रही है। हालांकि स्वास्थ्य, विज्ञान और चिकित्सा के क्षेत्र में इसके नवीनतम प्रवेश ने उत्साह के साथ-साथ कुछ चिंता पैदा भी की है। क्या एआई द्वारा डिजाइन किए गए प्रोटीन किसी दिन जैविक हथियारों की तरह खतरा पैदा कर सकते हैं? यह उन शोधकर्ताओं के मन में सवाल है जो अब प्रोटीन डिजाइन प्रौद्योगिकी के नैतिक उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा उपायों की वकालत कर रहे हैं। पूरी तरह से नए प्रोटीन का मंथन करने में सक्षम एआई टूल किसी साइंस फिक्शन फिल्म की तरह लगते हैं, लेकिन यह आज एक वास्तविकता है। वाशिंगटन विश्वविद्यालय के डेविड बेकर सहित कई वैज्ञानिक विशिष्ट कार्यों के लिए प्रोटीन डिजाइन करने के लिए एआई टूल का उपयोग कर रहे हैं। एआई के प्रोटीन डिजाइन का उपयोग रोग प्रतिरोधक क्षमता उत्पन्न करने से लेकर दवाओं की लक्षित डिलीवरी के लिए किया जा रहा है। इसके उपयोग की संभावनाएं अनंत हैं। हालांकि, संभावित खतरे भी बहुत चिंताजनक हैं। इन चिंताओं को दूर करने के लिए बेकर और अन्य शोधकर्ताओं ने प्रोटीन डिजाइन में एआई के जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एक पहल शुरू की है। उनका लक्ष्य सरल है। वे इस शक्तिशाली टूल को गलत हाथों में पड़ने या गलत तरीके से दुरुपयोग होने से रोकना चाहते हैं। बेकर का ग्रुप अपने प्रयास में अकेला नहीं है। दुनियाभर के विशेषज्ञ यह सुनिश्चित करने के लिए एकजुट हो रहे हैं कि जैव प्रौद्योगिकी में एआई के उपयोग के साथ समुचित सुरक्षा उपाय होने चाहिए। इस तरह के स्वैच्छिक दिशानिर्देश सही दिशा में स्वागतयोग्य कदम हैं। हालांकि, कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि एआई का दुरुपयोग रोकने के लिए अधिक ठोस उपायों की आवश्यकता है। अमेरिका की जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी के वैश्विक स्वास्थ्य नीति विशेषज्ञ मार्क डायबुल ने इन स्वैच्छिक प्रयासों के साथ-साथ सरकारी हस्तक्षेप के महत्व पर भी जोर दिया है। उनका कहना है कि जब सार्वजनिक सुरक्षा के मामलों की बात आती है, तो अनुपालन और जवाबदेही को सुनिश्चित करने के लिए एक नियामक ढांचा आवश्यक हो जाता है। हमें सरकारी कार्रवाई और नियमों की ज़रूरत है। केवल स्वैच्छिक मार्गदर्शन से काम नही चलेगा। जैविक युद्ध में एआई के संभावित खतरों की तरफ इशारा करने वाली हालिया रिपोर्टों से भी इस मुद्दे पर तत्काल विचार करना जरूरी हो गया है। अल्फाफोल्ड जैसे एआई प्रोग्राम के साथ प्रोटीन संरचना की भविष्यवाणी करना आसान हो गया है। चिंता की बात यह है कि ये प्रौद्योगिकियां अनजाने में खतरनाक रोगजनकों या विषाक्त पदार्थों के निर्माण की सुविधा प्रदान कर सकती हैं। एआई से डिजाइन किए गए प्रोटीन के संभावित लाभ बहुत अधिक हैं। अगर वे गलत हाथों में पड़ जाएं तो जोखिम भी बहुत हैं। यही कारण है कि बेकर और उनके सहयोगियों की पहल सक्रिय उपायों पर जोर देती है। लेकिन बेकर का कहना है कि एआई क्षेत्र के विनियमन के लिए सरकारी कानून बहुत कड़े नहीं होने चाहिए। कड़े नियम उन दवाओं, टीकों और सामग्रियों के विकास को सीमित कर सकते हैं जो एआई द्वारा डिजाइन किए गए प्रोटीन से उत्पन्न हो सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि एआई-जनित खतरों से बचाव के लिए ऐसे एआई मॉडल होने चाहिए जो समय पर इन खतरों का पता लगा सकें।एआई और जैव प्रौद्योगिकी का मिलन नए खतरे पैदा कर रहा है। इससे विशिष्ट जनसांख्यिकीय समूहों सहित बड़ी आबादियों के लिए अस्तित्व का खतरा पैदा हो सकता है। जैविक हथियार संहिता की कार्यान्वयन सहायता इकाई के समक्ष इन खतरों के शमन के उपायों के समन्वय में मुख्य जिम्मेदारी है। लेकिन दुर्भाग्य से इस इकाई के पास पर्याप्त साधन नहीं है। इसमें तत्काल सुधार की आवश्यकता है। यह सही है कि एआई हमें जीव विज्ञान की सभी जटिलताओं को समझने में सक्षम बना रही है। इससे हमें मानवता की कुछ सबसे गंभीर चुनौतियों को हल करने के लिए अरबों वर्षों के विकास का उपयोग करने का अवसर मिल रहा है। एआई लाइलाज बीमारियों को ठीक करने से लेकर जीवाश्म ईंधन के उपयोग को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने जैसी कई चुनौतियों से निपटने में मदद कर रही है। सकारात्मक प्रभाव की इस विशाल क्षमता के साथ बड़े और नए खतरे भी आते हैं। एआई का उपयोग लंबे समय से दवा की खोज के लिए किया जाता रहा है। इसके जरिए सबसे कम विषाक्तता वाले चिकित्सीय अणु की खोज की जाती है। जब वैज्ञानिकों की एक टीम ने विषाक्तता को बढ़ाने के लिए निर्धारित मानदंड को उलट दिया, तो एल्गोरिदम ने न केवल वीएक्स (अस्तित्व में सबसे शक्तिशाली जहरों में से एक) उत्पन्न किया, बल्कि नए विषाक्त पदार्थों को भी उत्पन्न किया, जिनके अधिक विषाक्त होने की भविष्यवाणी की गई थी। विषाक्तता के अलावा, एआई वायरस की संचरण क्षमता को भी बढ़ा सकती है और यह अक्सर महामारी फैलाने वाले वायरसों पर शोध करने वाली प्रयोगशालाओं में किया जाता है। जरा इबोला वायरस के रोगियों की मृत्यु दर के साथ कोविड-19 की संक्रामकता की कल्पना कीजिए। स्पष्ट हो जाएगा कि जैविक हथियारों की मारक क्षमता कितनी भयावह हो सकती है। एआई का उपयोग महामारी के प्रसार का अनुकरण करने के लिए भी किया जा सकता है जो क्वारंटीन के उपायों को लागू करने और परीक्षण संसाधनों को सुनिश्चित करने में उपयोगी हो सकता है। हालांकि, रोगाणुओं के प्रसार को बढ़ाने के लिए इसे उलटा भी किया जा सकता है। इस प्रकार इसके हानिकारक प्रभाव को बढ़ाया जा सकता है।

दरअसाल, एआई और जैव प्रौद्योगिकी एकमात्र प्रौद्योगिकियां नहीं हैं जो नए खतरे पेश करने के लिए आपस में मिल सकती हैं। उदाहरण के लिए, डिजिटल प्रौद्योगिकियां जो बायोमैन्युफैक्चरिंग या खाद्य प्रणाली के साथ जुड़ी हुई हैं, संभावित जैविक हमले का मार्ग बन सकती हैं। दूसरी तरफ, एआई का उपयोग जैविक हथियारों को रोकने में मदद के लिए किया जा सकता है। उदाहरण के लिए एआई नए विषाक्त पदार्थ और रोगजनक स्ट्रेन उत्पन्न कर सकती है जिन्हें मौजूदा ब्लैकलिस्ट में जोड़ा जा सकता है। इस प्रकार जैविक हथियारों के संभावित हमलों के जोखिम को पहले से ही खत्म किया जा सकता है।

आध्यात्मिक विकास में जीभ, दृष्टि और पैर की भूमिका

यदि आप बहुत बातूनी व्यक्ति हैं, तो यह आप के लिए बहुत मददगार नहीं है। आपको संतुलन में आना होगा। पहली बार, इस अवतार के दौरान, मैंने बात करना शुरू किया है और मैं इसलिए परेशान हो जाती हूं क्योंकि मैं इस तरह से बात करने की आदी नहीं हूं।

मैं इस बारे में बता रही थी कि एक मां और गुरु होना कितना मुश्किल है, क्योंकि दोनों बहुत ही विरोधाभासी कार्य हैं। विशेष रूप से ऐसे व्यक्ति के लिए जो आपके मोक्ष का प्रभारी होना चाहे, मोक्ष दायिनी होना, यह अत्यंत कठिन है। क्योंकि पथ इतना नाजुक और इतना जोखिम भरा है कि आप सभी को खुद ही आना होगा, उस पार चलना होगा। और अगर तुम इस तरफ गिरते हो या उस तरफ तुम्हारे लिए विपत्ति है। मैं आपकी चढ़ाई देख रही हूं, और मैं आपको मां के हृदय और गुरु के हाथ के साथ उपर आता हुआ देख रही हूं। और फिर मुझे गिरते हुए लोगों की झलक मिलती है। मैं उन्हें बताने की कोशिश करती हूं, 'ऊपर आओ'। कभी-कभी मैं चिल्लाती हूं, कभी-कभी मैं उन्हें खींचती हूं, कभी-कभी मैं उनसे प्यार करती हूं, उन्हें दुलार करती हूं। आप खुद अपने ही अंदर अंदाजा लगा सकते हैं कि मैंने आपके भीतर कितना काम किया है, मैंने आपसे कितना प्यार किया है। लेकिन मुद्दा यह है की, आप अपने आप से कितना प्यार करते हैं।मैंने आपको बताया है कि, एक सहज योगी के लिए, सब कुछ साक्षी भाव की शक्ति से तय किया जाना चाहिए। अब साक्षी शक्ति मौन में है, यह बात नहीं करती है। यदि आप बहुत बातूनी व्यक्ति हैं, तो यह आप के लिए बहुत मददगार नहीं है। आपको संतुलन में आना होगा। पहली बार, इस अवतार के दौरान, मैंने बात करना शुरू किया है और मैं इसलिए परेशान हो जाती हूं क्योंकि मैं इस तरह से बात करने की आदी नहीं हूं। इसलिए, आप लोगों के लिए, यह आवश्यक है कि आप तब तक बात न करें जब तक कि आप बात करने की आवश्यकता महसूस ना करें। और बहुत कम वाक्य, निर्णायक। जैसा कि मैंने आपको पहले बताया था, सभी अंगों में जीभ भटकाव में सर्वाधिक माहिर है। यदि आप अपनी जीभ पर महारत हासिल कर सकते हैं, तो आप एक तरह से अन्य सभी अंगों पर महारत हासिल कर सकते हैं। क्योंकि हर चीज को रुचिकर होना पड़ता है। उदाहरण के लिए, आप एक महिला को देखते हैं: यदि वह खुशगवार नहीं है, तो वह भले ही सुंदर हो सकती है, लेकिन आप उसे देखना नहीं चाहते, एक व्यक्ति के बारे में वह, जीभ फैसला करती है। यदि आप कुछ खाना खाना चाहते हैं, यदि यह सुस्वाद नहीं है, तो आप उस भोजन को नहीं खाना चाहते हैं। इसका रुचिकर होना जरूरी है। फिर एक विचार भी। एक सोच को खुशगवार होना पड़ता है। यदि यह मजेदार नहीं है, तो आप इसे नहीं रखना चाहते है। तो, जीभ निर्णायक कारक है। जीभ की जड़ विशुद्धि चक्र तक जाती है, जो आपके अहंकार और प्रति-अहंकार को नियंत्रित करती है। या आप कह सकते हैं कि जीभ एक तरह से प्रति-अहंकार और अहंकार में परिलक्षित होती है। अपनी जीभ के माध्यम से, जब आप बोलते हैं, तो आप यह महसूस कर सकते हैं कि आप अहंकार के दायरे में हैं या प्रति-अहंकार के। वह व्यक्त भी करती है, वह निर्णय लेती है। लेकिन अगर आप उसे समझते हैं, तो आप उसे संभालना जानते हैं। वह तुम्हारी दोस्त है। और सरस्वती स्वयं आपकी जीभ में निवास करती है। यदि आप अपनी जीभ को संभालना जानते हैं तो सहज योग बहुत अधिक बढ़ सकता है।

> प्रस्तुति : धीरज सिंह

शख्सियत | रामधारी सिंह दिनकर

प्रसिद्ध कवि, स्वतंत्रता सेनानी और साहित्यकार

रामधारी सिंह दिनकर, जिनका जन्म 23 सितंबर, 1908 को सिमरिया, बिहार, भारत में हुआ था, 20वीं सदी के सबसे प्रसिद्ध हिंदी कवियों में से एक थे। उनकी साहित्यिक रचनाएं, जो भारतीय संस्कृति और इतिहास में गहराई से निहित हैं, राष्ट्रवाद, सामाजिक न्याय और मानवतावाद के विषयों से गूंजती हैं।

दिनकर का प्रारंभिक जीवन साहित्य के प्रति जुनून और अपने समय के सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों में गहरी रुचि से चिह्नित था। वह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद जैसे नेताओं द्वारा प्रचारित स्वतंत्रता और आत्मनिर्णय के आदर्शों से गहराई से प्रभावित थे।

उनका साहित्यिक करियर 1933 में उनके पहले कविता संग्रह, ₹रेणुका₹ के प्रकाशन के साथ शुरू हुआ। दिनकर की कविता की विशेषता इसकी शक्तिशाली कल्पना, भावनात्मक गहराई और देशभक्ति की गहरी भावना थी। उन्होंने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और इतिहास से प्रेरणा ली, अक्सर पौराणिक और ऐतिहासिक आख्यानों को अपने छंदों में पिरोया।

1952 में प्रकाशित दिनकर की महान रचना, ₹रश्मिरथी₹, को व्यापक रूप से हिंदी साहित्य की सबसे महान महाकाव्य कविताओं में से एक माना जाता है। भारतीय महाकाव्य महाभारत के कर्ण के जीवन पर आधारित यह कविता कर्तव्य, सम्मान और संघर्ष के समय व्यक्तियों द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधाओं के विषयों की पड़ताल करती है।

दिनकर अपनी कविता के अलावा एक प्रमुख निबंधकार, आलोचक और सामाजिक टिप्पणीकार भी थे। उन्होंने अपने लेखन को सामाजिक सुधार के लिए एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया और समानता, न्याय और दलितों के उत्थान की वकालत की।

अपने पूरे जीवन में, दिनकर को उनके साहित्यिक योगदान के लिए कई प्रशंसाएं और पुरस्कार मिले, जिनमें साहित्य अकादमी पुरस्कार और भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक पद्म भूषण शामिल हैं।

दिनकर की विरासत उनकी कालजयी कविता के माध्यम से कायम है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी पाठकों को प्रेरित और प्रभावित करती रहती है। 24 अप्रैल, 1974 को उनका निधन हो गया, लेकिन उनके शब्द अमर हैं, जो भारतीय साहित्य और संस्कृति की लगातार विकसित हो रही टेपेस्ट्री में आशा, प्रेरणा और आत्मनिरीक्षण की किरण के रूप में काम कर रहे हैं।

जीवन ऊर्जा

सचिन तेंदुलकर : जन्म 24 अप्रैल 1973 | जन्म

बड़े लोग वही हैं जो लोगों को छोटा महसूस नहीं कराते

24 अप्रैल 1973 को राजापुर के मराठी ब्राह्मण परिवार में सचिन तेंदुलकर का जन्म हुआ। उन्हें क्रिकेट के इतिहास में विश्व के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज़ों में गिने जाते हैं। भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित होने वाले वह सर्वप्रथम खिलाड़ी और सबसे कम उम्र के व्यक्ति हैं। राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित होने वाले पहले क्रिकेट खिलाड़ी हैं। सन् 2008 में वे पद्म विभूषण से भी पुरस्कृत किएं जा चूके हैं।

यह जिंदगी हमेशा बड़े सपने देखने वालों और जोशीले क्रांतिकारियों का इम्तिहान लेती है। बदलाव हमेशा प्रारम्भ में कठिन या नामुमकिन लगेगा, मध्य में सबसे बेकार; लेकिन लास्ट में सबसे अच्छा होगा। मैंने एक बार पढ़ा था, "जो लोग दूसरों को पढ़ते हैं वह बुद्धिमान होते हैं। लेकिन जो लोग खुद को पढ़ते हैं वह प्रबुद्ध होते हैं। किसी भी तरह की दबाव की स्थितियों से निपटने की कुंजी है अपने आप को स्थिर रखना, अपनी प्रवृत्ति का पालन करना और स्पष्ट रूप से सोचना। उद्देश्य पूर्ण जीवन ही आपके जीवन का मुख्य उद्देश्य होना चाहियें। मेरा कोई लक्ष्य नहीं था मेरा तो सारा ध्यान सिर्फ क्रिकेट खेलने पर था। जिसे करने से हमें डर लगता है जब हम वह करते हैं तब हम निडर बन जाते हैं। यदि आप विनम्र बने रहते हैं, तो लोग खेल में सन्यास लेने के बाद भी आपको प्यार और सम्मान देंगे। मैं लोगों को यह कहते हुए खुशी से सुनूंगा कि "सचिन एक अच्छे इंसान हैं" "सचिन एक महान क्रिकेटर" हैं। आपकी असली शक्ति सादगी में है न कि बनावटीपन में। सबसे अच्छा निवेश स्वम में निवेश करना होता है। जब भी आप ऐसा निवेश करेंगे यह सिर्फ आपका जीवन ही नहीं सुधरेगा बल्कि यह आपके आसपास के लोगों का जीवन भी सुधरेगा। किसी भी एक्टिव खिलाडी को अपना ध्यान अपने लक्ष्य पर केन्द्रित करना होगा और अपने मन को सही दिशा में लगाना होगा क्योंकि अगर आपका फोकस कही और होगा तो आपको अच्छा रिजल्ट प्राप्त नहीं हो सकता। कभी-कभी सफलता सही निर्णय लेने के बारे में नहीं होती, यह बस कोई निर्णय लेने के बारे में होती है। आपके द्वारा किया गया एक छोटा सा कार्य भी सबसे महान इरादे से हमेशा बेहतर होता है। जीवन एक किताब की तरह है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

विद्वान ही नहीं बल्कि "विद्यावान" बनने का प्रयत्न करे

(विद्वान और विद्यावान में अंतर-भाग 2)

राम पिछले भाग में हमने पढ़ा कि विद्वान और विद्यावन में क्या अंतर है? इसके लिए हनुमान जी और रावण का उदाहरण पेश किया गया है, जहां रावण को विद्वान और हनुमान जी को विद्यावान बताया गया है। यहां दोनों के गुणों में अंतर बताया गया है। रावण विद्वान था पर वह सीता जी का हरण करके ले आया। कई बार विद्वान लोग अपनी विद्वता के कारण दूसरों को शान्ति से नहीं रहने देते। उनका अभिमान दूसरों की सीता रुपी शान्ति का हरण कर लेता है और हनुमान जी उन्हीं खोई हुई सीता रुपी शान्ति को वापिस भगवान से मिला देते हैं। यहां हनुमान और रावण के बीच वार्तालाप होता है।

भृकुटी विलोकत सकल सभीता ।

परन्तु मैं भगवान राम की भृकुटी की ओर देखता हूं। उनकी भृकुटी कैसी है ? बोले

भृकुटी विलास सृष्टि लय होई ।
सपनेहु संकट परै कि सोई ॥

जिनकी भृकुटी टेढ़ी हो जाये तो प्रलय हो जाए और उनकी ओर देखने वाले पर स्वप्न में भी संकट नहीं आए । मैं उन

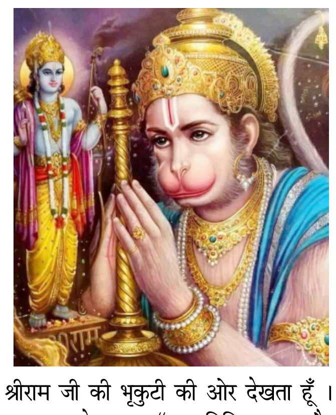

श्रीराम जी की भृकुटी की ओर देखता हूँ ।

रावण बोला – "यह विचित्र बात है। जब राम जी की भृकुटी की ओर देखते हो तो हाथ हमारे आगे क्यों जोड़ रहे हो?

विनती करउँ जोरि कर रावन।

हनुमान जी बोले – "यह तुम्हारा भ्रम है। हाथ तो मैं उन्हीं को जोड़ रहा हूँ।" रावण बोला – "वह यहाँ कहाँ हैं?" हनुमान जी ने कहा कि "यही समझाने आया हूँ। मेरे प्रभु राम जी ने कहा था —

सो अनन्य जाकें असि मति न टरइ हनुमन्त।
मैं सेवक सचराचर रुप स्वामी भगवन्त ॥

भगवान ने कहा है कि सबमें मुझको देखना। इसीलिए मैं तुम्हें नहीं, तुझमें भी भगवान को ही देख रहा हूँ।" इसलिए हनुमान जी कहते हैं

खायउँ फल प्रभु लागी भूखा। और सबके देह परम प्रिय स्वामी॥

हनुमान जी रावण को प्रभु और स्वामी कहते हैं और रावण —

मृत्यु निकट आई खल तोही।
लागेसि अधम सिखावन मोही ॥

रावण खल और अधम कहकर हनुमान जी को सम्बोधित करता है। यही विद्यावान का लक्षण है कि अपने को गाली देने वाले में भी जिसे भगवान दिखाई दे, वही विद्यावान है। विद्यावान का लक्षण है

विद्या ददाति विनयं ।विनयाति याति पात्रताम् ॥

पढ़ लिखकर जो विनम्र हो जाये, वह विद्यावान और जो पढ़ लिखकर अकड़ जाये, वह विद्वान तुलसी दास जी कहते हैं —

बरसहिं जलद भूमि नियराये
जथा नवहिं वुध विद्या पाये ॥

जैसे बादल जल से भरने पर नीचे आ जाते हैं, वैसे विचारवान व्यक्ति विद्या पाकर विनम्र हो जाते हैं । इसी प्रकार हनुमान जी हैं – विनम्र और रावण है – विद्वान।

यहाँ प्रश्न उठता है कि विद्वान कौन है ?* इसके उत्तर में कहा गया है कि जिसकी दिमागी क्षमता तो बढ़ गयी, परन्तु दिल खराब हो, हृदय में अभिमान हो, वही विद्वान है और अब प्रश्न है कि विद्यावान कौन है ? उत्तर में कहा गया है कि जिसके हृदय में भगवान हो और जो दूसरों के हृदय में भी भगवान को बिठाने की बात करे, वही विद्यावान है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

प्रेरक प्रसंग

उधार का बोझ

एक बार किसी वित्तीय समस्या में फ़ँसकर तेनाली राम ने राजा कृष्णदेव राय से कुछ रुपए उधार लिए थे। समय बीतता गया और पैसे वापस करने का समय भी निकट आ गया। परन्तु तेनाली के पास पैसे वापस लौटाने का कोई प्रबन्ध नही हो पाया था। सो उसने उधार चुकाने से बचने के लिए एक योजना बनाई। एक दिन राजा को तेनाली राम की पत्नी की ओर से एक पत्र मिला। उस पत्र मे लिखा था कि तेनाली राम बहुत बीमार है। तेनाली राम कई दिनो से दरबार मे भी नहीं आ रहा था, इसलिय राजा ने सोचा कि स्वयं जाकर तेनाली से मिला जाए। साथ ही राजा को भी सन्देह हुआ कि कहीं उधार से बचने के लिय तेनाली राम की कोई योजना तो नहीं है।

राजा तेनली राम के घर पँहुचे। वहाँ तेनाली राम कम्बल ओढकर पलंग पर लेटा हुआ था। उसकी ऐसी अवस्था देखकर राजा ने उसकी पत्नी से कारण पूछा। वह बोली, "महाराज, इनके दिल पर आपके दिए हुए उधार का बोझ है। यही चिन्ता इन्हें अन्दर ही अन्दर खाए जा रही है और शायद इसी कारण यह बीमार हो गए।"

राजा ने तेनाली को सांत्वना दी और कहा,"तेनाली, तुम परेशान मत हो। तुम मेरा उधार चुकाने के लिए नहीं बँधे हुए हो। चिन्ता छोडो और शीघ्र स्वस्थ हो जाओ।" यह सुन तेनाली राम पलंग से कूद पडा और हँसते हुए बोला ," महाराज, धन्यवाद।" "यह क्या है, तेनाली? इसका मतलब तुम बीमार नहीं थे। मुझसे झूठ बोलने का तुम्हारा साहस कैसे हुआ?" राजा ने क्रोध में कहा। "नहीं नहीं, महाराज,मैने आपसे झूठ नहीं बोला। मैं उधार के बोझ से बीमार था। आपने जैसे ही मुझे उधार से मुक्त किया, तभी से मेरी सारी चिन्ता खत्म हो गई और मेरे ऊपर से उधार का बोझ हट गया। इस बोझ के हटते ही मेरी बीमारी भी जाती रही और मैं अपने को स्वस्थ महसूस करने लगा। अब आपके आदेशानुसार मैं स्वतंत्र, स्वस्थ व प्रसन्न हूँ।" हमेशा की तरह राजा के पास कहने के लिए कुछ न था, वह तेनाली की योजना पर मुस्करा पडे।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

लोकतंत्र का महा उत्सव 2024

महाराष्ट्र में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीटों में से एक है सोलापुर सीट

सोलापुर लोकसभा क्षेत्र लिंगायत बहुल क्षेत्र

सोलापुर लोकसभा सीट | कांग्रेस के गढ़ में हैट्रिक लगाने के लिए तैयार बीजेपी

राम सातपुते-प्रणीति शिंदे में कड़ी टक्कर

बीदेश में लोकसभा चुनाव की सरगर्मियां तेज हो गई है। सभी पार्टियां जोरो शोरों से प्रचार प्रसार में लगी हुई है। महाराष्ट्र में भी यह लड़ाई देखने को मिल रही है। महाराष्ट्र के 48 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में से सोलापुर लोकसभा सीट भी काफी महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस सीट का इतिहास देखें तो कांग्रेस का यहां पर वर्चस्व रहा है। सोलापुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र महाराष्ट्र में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीटों में से एक है। इस विधानसभा क्षेत्र की पहली खासियत यह है कि यह सबसे उपेक्षित विधानसभा क्षेत्र है। यह बहुभाषी निर्वाचन क्षेत्र कर्नाटक और तेलंगाना से सटा हुआ है। सोलापुर शहर में ऐसे नागरिक रहते हैं जिनकी मातृभाषा मराठी, तेलुगु और कन्नड़ है। सोलापुर लोकसभा क्षेत्र लिंगायत बहुल क्षेत्र है। उसके बाद पद्मशाली समाज, मुस्लिम अनुसूचित जाति, धनगर समाज का नंबर आता है। यहां का लिंगायत समुदाय परंपरागत रूप से बीजेपी को वोट देता रहा है। इस साल के लोकसभा चुनाव में इस सीट पर कांग्रेस की प्रणीति शिंदे और बीजेपी के राम सातपुते के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिलने वाला हैं।

लोकसभा क्षेत्र में 6 विधानसभा क्षेत्र

सोलापुर लोकसभा क्षेत्र में 6 विधानसभा क्षेत्र हैं। इनमें मोहोल, सोलापुर सिटी नॉर्थ, सोलापुर सिटी सेंट्रल, अक्कलकोट, सोलापुर साउथ और पंढरपुर शामिल हैं। इनमें से 4 विधानसभा क्षेत्रों में बीजेपी के विधायक हैं, जबकि सोलापुर सेंट्रल विधानसभा क्षेत्र में वर्तमान में कांग्रेस की प्रणीति शिंदे विधायक हैं। मोहोल विधानसभा क्षेत्र में एनसीपी अजित पवार गुट के यशवंत माने विधायक हैं। यानी पार्टी विधायकों की संख्या के हिसाब से महायुति के पास 6 में से 5 सीटें हैं। जबकि महाविकास अघाड़ी के पास सिर्फ एक सीट है। इसका फायदा निश्चित तौर पर बीजेपी प्रत्याशी राम सातपुते को होगा। सोलापुर में 10.22 फीसदी आबादी मुसलमानों की है। 2019 लोकसभा चुनाव में एमआईएम और वंचित बहुजन अघाड़ी गठबंधन के उम्मीदवार की वजह से कांग्रेस यह सीट हार गई थी। यही वजह है कि इस बार असदुद्दीन ओवैसी और प्रकाश अंबेडकर दोनों नेताओं की पार्टियां इस सीट से चुनाव नहीं लड़ रही हैं। एमआईएम और वंचित बहुजन अघाड़ी की तरफ से दलील दी गई है कि इस बार का चुनाव संविधान बचाने के लिए लड़ा जा रहा है, ऐसे में वोट का बंटवारा न हो इसीलिए सोलापुर में समाज के कई वरिष्ठ लोगों के साथ चर्चा करने के बाद चुनाव न लड़ने का फैसला किया गया है।

MVA की ओर से कांग्रेस की प्रणीति शिंदे को उम्मीदवारी

इस बार महाविकास अघाड़ी की ओर से कांग्रेस की प्रणीति शिंदे को उम्मीदवार घोषित किया गया है। प्रणीति शिंदे के पास अपने पिता सुशील कुमार शिंदे की हार का बदला लेने का मौका है। कांग्रेस द्वारा प्रणीति शिंदे की उम्मीदवारी की घोषणा से पहले उनके बीजेपी में शामिल होने की चर्चाएं चल रही थीं। चर्चा थी कि सुशील कुमार शिंदे और प्रणीति शिंदे दोनों बीजेपी में शामिल होंगे। बीच में ये चर्चा तभी हुई जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोलापुर के दौरे पर थे। लेकिन प्रणीति शिंदे ने ये कहकर इन चर्चाओं पर विराम लगा दिया कि कांग्रेस मेरे खून में है। उसके बाद वहीं कांग्रेस के उम्मीदवार हैं।

महायुति से राम सातपुते मैदान में

महायुति इस निर्वाचन क्षेत्र के लिए उम्मीदवार का परीक्षण कर रही थी। यह तय था कि महागठबंधन में यह सीट बीजेपी के पास होगी। लेकिन वास्तव में उम्मीदवार कौन होगा इसका इंतजार किया जा रहा था। इसकी वजह यह थी कि पार्टी बीजेपी के मौजूदा सांसद सिद्धेश्वरस्वामी से नाराज थी। साथ ही लोगों में उनको लेकर गुस्सा भी था। इसलिए यह तो साफ था कि उनका टिकट कटेगा, लेकिन दूसरा उम्मीदवार मिलने की बात सामने नहीं आ रही थी। आखिरकार बीजेपी ने महायुति से विधायक राम सातपुते को टिकट देने का ऐलान कर दिया है। इसलिए इस सीट पर प्रणीति शिंदे और राम सातुपुते के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा।

सोलापुर लोकसभा सीट पर कांग्रेस का दबदबा

सोलापुर लोकसभा क्षेत्र के इतिहास पर नजर डालें तो यहां शुरू से ही कांग्रेस पार्टी का दबदबा रहा है। शेकाप के शंकरराव मोरे ने इस निर्वाचन क्षेत्र में 1952 में पहला चुनाव जीता था। इस निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार एस। आर। दमानी लगातार तीन बार चुनाव जीत चुके हैं। उन्होंने यह हैट्रिक 1967, 1971 और 1977 के चुनावों में बनाई थी। 1962 से सोलापुर निर्वाचन क्षेत्र में लगातार 8 बार कांग्रेस उम्मीदवार निर्वाचित हुए हैं। 1996 में बीजेपी उम्मीदवार लिंगराज वाल्याल ने कांग्रेस के इस जीत के रथ को रोका और जीत हासिल की। फिर 1998 में सुशील कुमार शिंदे ने यह सीट कांग्रेस की झोली में डाल दी। सुशील कुमार शिंदे इस सीट से तीन बार 1998, 1999 और 2009 में जीत चुके हैं। 2014 की मोदी लहर में सोलापुर लोकसभा क्षेत्र से बीजेपी के शरद बंसोडे ने जीत हासिल की थी।

सुशील कुमार शिंदे दो बार करना पड़ा हार का सामना

अब सोलापुर के वर्तमान सांसद जयसिद्धेश्वर स्वामी हैं। उन्होंने 2019 में सुशील कुमार शिंदे को हराया था। उस समय प्रकाश आंबेडकर ने वंचित बहुजन आघाडी से सोलापुर से चुनाव भी लड़ा था। प्रकाश आंबेडकर की वजह से सुशील कुमार शिंदे की हार हुई थी। तब ऐसी चर्चाएं होती थीं। 2014 में भी सुशील कुमार शिंदे यहां से हार गए थे। यानी पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे को लगातार 2 बार सोलापुर लोकसभा में हार का सामना करना पड़ा है।

कौन है राम सातपुते?

राम सातपुते भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और मालशिरस से मौजूदा विधायक हैं। राम सातपुते ने छात्र आंदोलन के माध्यम से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में प्रवेश किया। वे मूल रूप से बीड जिले के रहने वाले हैं। पिता गन्ना मजदूर थे। इसलिए उनका परिवार मालशिरास जैसी गन्ना बेल्ट में आ गया और यहीं बस गया। पुणे के फर्ग्यूसन कॉलेज में पढ़ाई के दौरान राम सातपुते अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े। तब से उन्होंने छात्र संघ में सक्रिय रूप से काम किया। तब राहुल गांधी ने उनका समर्थन किया था। सातपुते को देवेन्द्र फड़णवीस का करीबी माना जाता है।

दिलचस्प होगी सोलापुर की लड़ाई

राम सातपुते के टिकट की घोषणा होते ही प्रणीति शिंदे ने एक पोस्ट किया। उस पोस्ट में उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला था कि राम सातपुते निर्वाचन क्षेत्र से बाहर हैं। इसके बाद सातपुते ने अपने प्रचार में कही बार कहा कि वे एक मजदूर के बेटे है, वे मुंह में सोने का चम्मच लेकर पैदा नहीं हुए। ऐसा माना जा रहा है कि इस बार सोलापूर की ये लड़ाई काफी दिलचस्प होने वाली है।

नेताजी कहिन...

400 पार हो गया तो फिर वो चुनाव क्यों लड़ रहे : कन्हैया कुमार

'कांग्रेस को गाली नहीं देंगे तो क्या करेंगे'

बीजेपी की ओर से टुकड़े-टुकड़े गैंग से जुड़े होने के आरोप लगाए जाने पर कन्हैया कुमार ने कहा कि अगर कोई आरोप लगाता है तो यह उनकी नाकामी का प्रतीक भी है। केंद्र में बीजेपी की सरकार है तो क्या यह उनकी नाकामी है। अगर उनके आरोप में कोई सच्चाई है तो कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को गाली देने से अगर लोगों का भला होता है, महंगाई कम होती है। रोजगार मिलता है तो सही है, लेकिन आपको कई सवालों का जवाब देना पड़ेगा। कांग्रेस को गाली देने से देश के लोगों को रोजगार मिले। महंगाई कम हो जाए। सड़कें अच्छी हो जाएं। अस्पताल सुधर जाएं तो सही है। लेकिन इस बात का सवाल देना पड़ेगा कि कोविड के दौरान लोगों की जान गई। हजारों किलोमीटर लोग पैदल चलकर गए। कांग्रेस को गाली नहीं देंगे तो लोग क्या और करेंगे। कांग्रेस तो उनकी विरोधी पार्टी है।

'...फिर चुनाव क्यों करा रहे हैं'

बीजेपी की ओर से दिए जा रहे अबकी बार 400 पार के नारे को लेकर कन्हैया कुमार ने कहा कि यह अच्छी बात है। फिर चुनाव क्यों करा रहे हैं। जब 400 हो ही गया है तो फिर क्यों 75 साल की उम्र में इतना मेहनत कर रहे हैं। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जीत ही गए हैं तो आराम से रहें।

'दिल्ली की जनता फैसला करेगी'

मनोज तिवारी के सामने खड़े होने को लेकर कन्हैया कुमार ने कहा कि अगर वो बड़ी शख्सियत हैं तो वहां की जनता से उनसे खासा लाभ भी मिल रहा होगा। अगर वो गाना गाते हैं और लोगों को लुभाते हैं तो अच्छी बात है। लेकिन यहां मुकाबला मुद्दों का है, गाना गाने का नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि अगर वो कह रहे हैं कि उन्होंने लोगों के लिए काम किया है और लोग उनसे संतुष्ट हैं तो जनता उन्हें फिर से मौका देगी। अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया है। उन्होंने जो वादे किए हैं उसे पूरा नहीं किया है। समस्याओं का समाधान नहीं किया तो इसका फैसला जनता करेगी।

'मैं मनोज तिवारी को तब से जानता हूं जब वो राजनीति में नहीं आए थे'

मनोज तिवारी की ओर से कन्हैया को नहीं जानने से जुड़े सवाल पर कन्हैया कुमार ने कहा कि हो सकता है कि वो मुझे नहीं जानते होंगे। उन्हें इस नाम पर भी दिक्कत हो। लेकिन मैं उन्हें जानता हूं। मैं उनको तब से जानता हूं जब वो राजनीति में नहीं आए थे। जब शुरू में आए तो वो बीजेपी के विरोध में थे। मुझे नहीं जानते कोई दिक्कत नहीं। मुझे जानकर उन्हें क्या मिलेगा। जिनसे कुछ मिलना होगा, उनको पहचानते होंगे। उनका गाया 'जिय हो बिहार के लाला' पसंद है। लेकिन यह गाना उन्होंने गाया है, लेकिन लिखा नहीं है।

'उम्मीदों पर खरा उतरना चाहूंगा'

कन्हैया कुमार ने टिकट मिलने के बाद कहा कि सबसे पहले मैं जनता का धन्यवाद देना चाहूंगा, साथ में पार्टी को धन्यवाद दूंगा। साथ में इंडिया गठबंधन के नेताओं को भी धन्यवाद दूंगा कि उनकी ओर से मुझे यहां से प्रत्याशी बनाया गया है। पार्टी ने मुझ पर जो भरोसा जताया है उस पर खरा उतरने की कोशिश करूंगा। उत्तर-पूर्व सीट पर 24 लाख के करीब जो वोटर्स हैं, वहां रहने वाले हर वर्ग के लोग हैं उनकी समस्याओं पर ध्यान देना और उनके हितों तो सुरक्षित रखने की कोशिश करेंगे। आपसी सौहाद्र बना रहे।

'हम मुद्दों के आधार पर लड़ाई करेंगे'

वामपंथ छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने वाले कन्हैया कुमार ने बताया कि यह मेरा सौभाग्य ही है कि जब मैं बिहार से दिल्ली आया तो इसी इलाके में आया। मुखर्जी नगर, नेहरू विहार और गांधी विहार जैसे क्षेत्रों में रहा। मैं इन इलाकों से परिचित हूं। मेरा मानना है कि 2009 में कांग्रेस के सांसद ने यहां पर यूपीए शासनकाल में जो काम किया था, उसे वर्तमान सांसद आगे बढ़ा नहीं पाए। वो नंबर तो गिनाते हैं, लेकिन काम दिखा नहीं सकते। वहां पर अच्छे अस्पताल और अच्छे सड़क होने चाहिए। हम इस पर खासा काम करेंगे। मेरा मानना है कि हम मुद्दों के आधार पर लड़ाई करेंगे।

विशेष खबर | भुजबल द्वारा बताए गए घटना क्रम ने बढ़ा दी मुख्यमंत्री शिंदे की मुश्किलें

छगन भुजबल के हटने से मुश्किल होगा नासिक जीतना

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता एवं महाराष्ट्र सरकार में मंत्री छगन भुजबल ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने नासिक लोकसभा क्षेत्र से टिकट नहीं मांगने का फैसला किया है, ताकि सहयोगी दल शिवसेना की भी पसंदीदा मानी जाने वाली इस सीट को लेकर जारी गतिरोध खत्म हो सके। उत्तरी महाराष्ट्र के नासिक लोकसभा क्षेत्र से मौजूदा सांसद हेमंत गोडसे मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना से हैं। छगन भुजबल के नासिक से अपना दावा छोड़ने से महायुति में दरार कुछ हद तक सुलझ गई है। हालांकि, भुजबल द्वारा बताए गए घटना क्रम ने मुख्यमंत्री शिंदे की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। इसके साथ ही नासिक की सीट को लेकर महायुति की आपसी रार से इस सीट पर जीत हासिल करना कितना मुश्किल होगा? आइए समझते हैं। भुजबल ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सत्तारूढ़ सहयोगी दल शिवसेना और भाजपा के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत के दौरान राकांपा प्रमुख एवं उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने नासिक सीट पर अपनी दावेदारी पेश की थी। अजित पवार ने कहा था कि इस क्षेत्र में उनकी पार्टी के विधायकों की संख्या अधिक है। छगन भुजबल ने कहा, ₹जब हमसे उम्मीदवार के बारे में पूछा गया तो पूर्व सांसद समीर भुजबल का नाम प्रस्तावित किया गया। लेकिन (भाजपा नेता) अमित शाह ने कहा कि मुझे चुनाव लड़ना चाहिए, भले ही मैंने टिकट नहीं मांगा था।₹ भुजबल ने कहा कि मुख्यमंत्री शिंदे ने इस सीट की मांग की क्योंकि मौजूदा सांसद उनकी पार्टी से हैं।

नासिक में महायुति के लिए हो रही देरी?

उन्होंने कहा कि तीन सप्ताह तक इस संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया, जबकि विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) के उम्मीदवार ने पहले ही चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, ₹गतिरोध खत्म करने के लिए मैंने इस दौड़ से हटने का फैसला किया है। महायुति गठबंधन को जल्द ही उम्मीदवार घोषित करना चाहिए, अन्यथा हमें यह सीट जीतने में कठिनाई हो सकती है।₹ भुजबल की बातों से साफ जाहिर हो रहा है कि महायुति की आपसी रार से नासिक की सीट पर उम्मीदवार के ऐसान में देरी की वजह से गठबंधन को मुश्किल का सामना करना पड़ सकता है।

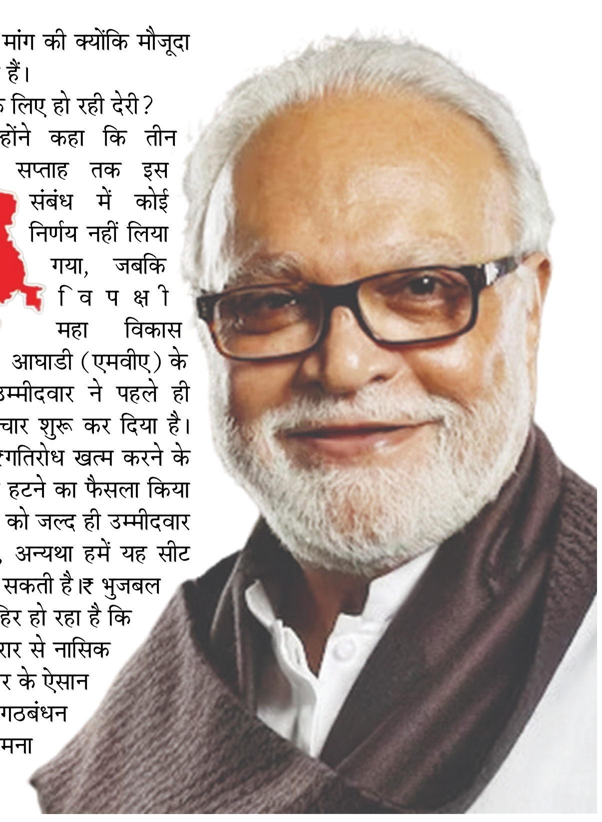

उम्मीदवारों की चयम में भाजपा का अहम रोल?

भुजबल की प्रेस कॉन्फ्रेंस इस बात करी तरफ इशारा कर रही है कि महायुति के सहयोगी दलों के उम्मीदवार तय करने में भाजपा का भी अहम हाथ है। महाराष्ट्र टाइम्स की रिपोर्ट की मानें तो भाजपा की ओर से शिवसेना को उनके सांसदों के खिलाफ सर्वे दिखाए जा रहे थे। इसी वजह से शिंदे के सांसदों के टिकट काटे गए। एनसीपी के खाते में गई परभणी की सीट भाजपा ने राष्ट्रीय समाज पार्टी को दे दी है। धाराशिव में भाजपा की अर्चना पाटिल को एनसीपी में भेजकर भाजपा ने अपने ही व्यक्ति के लिए टिकट पाना आसान कर दिया है। इन सभी घटनाक्रमों के चलते यह चर्चा थी कि भाजपा ही शिवसेना और एनसीपी के उम्मीदवार तय कर रही है।

चुनावी खबर

कर्नाटक : देश की संपत्ति मुट्ठीभर लोगों को दी जा रही: प्रियंका

कर्नाटक के चित्रदुर्ग में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोला है। प्रियंका गांधी ने कहा कि आज की तारीख में केंद्र सरकार देश की सारी संपत्ति केवल कुछ ही लोगों को दे रही है। प्रियंका गांधी ने कहा कि आज किसानों का कर्ज माफ नहीं किया जा रहा है लेकिन उद्योगपतियों का करोड़ों माफ हो रहा है। प्रियंका गांधी ने कहा कि देश के पब्लिक सेक्टर को जिस तरह से बडे.घरानों को दिया जा रहा है, वह पूरा देश देख रहा है। प्रियंका गांधी ने अपने संबोधन में विपक्ष दलों के खिलाफ जांच एजेंसियों की कार्रवाई से लेकर कांग्रेस के बैंक खाते सील किये जाने के मुद्दे तक को उठाया। इसी के साथ प्रियंका गांधी ने इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर भी मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड में गड़बड़ियों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इसे गैर कानूनी करार दिया। सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद सारा डाटा सामने आया।

जम्मू-कश्मीर : PM मोदी के बयान पर फारूक अब्दुल्ला का हमला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल में एक चुनावी रैली के दौरान पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के बयान का जिक्र करते हुए कहा था कि कांग्रेस सत्ता में आती तो वह देश की संपत्ति मुसलमानों में बांट देती। वहीं, इसपर इंडिया गठबंधन के साथी और नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता फारूक अब्दुल्ला ने पीएम मोदी के बयान पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मुसलमान कभी भी किसी मां का, बहन का मंगलसूत्र नहीं छिनेगा।। उन्होंने कहा कि मेरे इस्लाम ने ये नहीं सिखाया की किसी धर्म से नफरत करो मैं उतना ही हिन्दु से मोहब्बत करता हूं जितना मुसलमान या सिख से करता हूं।

पंजाब : पांच सीटों पर शिअद ने खेला बड़ा दांव

शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने पांच और लोकसभा सीटों बठिंडा, जालंधर, लुधियाना, होशियारपुर और फिरोजपुर पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। पार्टी ने इन सीटों पर अनुभवी और समृद्ध राजनीतिक विरासत वाले चेहरों पर दांव खेला है। बठिंडा से तीन बार की सांसद हरसिमरत कौर बादल को प्रत्याशी घोषित किया है। शिअद हरसंभव प्रयास करेगी कि हरसिमरत जीतकर संसद में बादल परिवार की उपस्थिति दर्ज करवाएं।

उम्मीदवार को जानें

सुरेश गोपी : त्रिशूर लोकसभा सीट

मलयालम फिल्मों के अभिनेता सुरेश गोपी को बीजेपी ने त्रिशूर लोकसभा सीट से टिकट दिया है। सुरेश गोपी कई तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और हिन्दी फिल्मों में काम कर चुके हैं। उन्होंने 1965 में एक बाल कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरू की थी। इसके बाद 1986 में वयस्क का रोल निभाया और तब से 250 से अधिक फिल्में कर चुके हैं। शानदार अभिनय के लिए उन्हें 1998 में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और केरल राज्य फिल्म पुरस्कार मिला था। फिलहाल बीजेपी की ओर से राज्य सभा के सदस्य हैं। 26 जून 1958 को केरल के कोल्लम में पैदा हुए सुरेश गोपी फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर के। गोपीनाथन पिल्लई की चार संतानों में सबसे बड़े हैं। उनकी शिक्षा दीक्षा कोल्लम के इन्फैंट जीसस एंग्लो-इंडियन स्कूल में हुई। इसके बाद वह उच्च शिक्षा के लिए नेशनल कॉलेज गए, जहां से उन्होंने बायोलॉजी में ग्रेजुएशन किया और फिर इंगलिस लिट्रेचर से एमए किया। करीब 80 फिल्में करने के बाद सुरेश गोपी साल 1992 से 95 के बीच सुपरस्टार के रूप में स्थापित हुए।

2019 में लड़ चुके हैं लोकसभा चुनाव

1996 में उनकी फिल्म राजापुत्रन उस साल कमाई करने वाली फिल्मों में एक नंबर थी। इस फिल्म में वह वन्यजीव फोटोग्राफर की भूमिका में नजर आए थे। उन्होंने साल 2012 में एशियानेट पर गेम शो निंगलक्कम आकाम कोडेश्वरन की मेजबानी की थी। पढ़ाई के दिनों में कम्युनिस्ट पार्टी की छात्र शाखा से जुड़े थे। बाद में वह इंदिरा गांधी से प्रभावित होकर कांग्रेस में आए और फिर 29 अप्रैल 2016 को राष्ट्रपति ने उन्हें राज्यसभा के लिए नामित किया। हालांकि अक्टूबर 2016 में वह बीजेपी में शामिल हो गए। इसके बाद 2019 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी ने उन्हें त्रिशूर लोकसभा सीट से मैदान में उतारा। इस चुनाव में वह कांग्रेस के टीएन प्रतापन से हार गए थे।

कुछ लोग राजनीति को बपौती मानकर चलते थे: योगी

एजेंसी । गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहली बार देश के अंदर 'पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस' मोदी जी के कारण आया है। इसका सर्वाधिक लाभ गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं को मिला है। कांग्रेस, सपा व अन्य कई दलों का इंडी गठबंधन मोदी जी की जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की उपलब्धियों से बौखलाहट में है। इसी बौखलाहट के चलते कांग्रेस, सपा और उसके सहयोगी दल चुनाव में सामाजिक वैमनस्यता फैलाने की विभाजनकारी राजनीति पर आमादा हैं। जनता इनके मंसूबे को जानती है। इन्हें डकैती डालने की छूट नहीं देगी।

मोदी सरकार के दस साल के कार्यकाल में गरीबी से उबरे 25 करोड़ लोग, जी रहे खुशहाल जीवन

कई जिलों में आज भी चल रही है सीबीआई इंक्वारी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कुछ लोग परिवार के नाम पर भारत की राजनीति को अपने बपौती मानकर चलते थे। जब भी अवसर मिला इन्होंने राष्ट्रीय हितों की अपूरणीय क्षति की। गरीब कल्याणकारी योजना में डकैती डालने कार्य किया। उन्होंने कहा कि कौन नहीं जानता है कि समाजवादी पार्टी के सरकार के अंदर खाद्यान्न घोटाले हुए थे। दर्जन भर जिलों में आज भी सीबीआई इंक्वारी चल रही है। इनसे जुड़े लोग गरीबों के राशन अब जाते थे। जब 2017 में मुझे मुख्यमंत्री का दायित्व मिला तो इस बात की जांच कराई थी। तब 30 लाख फेक राशन कार्ड पाए गए थे। इस फेक राशन कार्ड के नाम पर राशन निकलता था। राशन की सुविधा गरीब को नहीं मिलती थी, समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी को मिलती थी या उनके द्वारा प्रश्रय प्राप्त माफिया राशन हड़प जाते थे। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कारण ई-पॉश मशीन से राशन वितरण होता है। भ्रष्टाचार मुक्त और पूर्णत: पारदर्शी व्यवस्था से।

कांग्रेस धार्मिक स्थलों की संपत्ति पर कुचेष्ठा का प्रयास कर रही है

कांग्रेस के घोषणा पत्र पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह लोग गरीबी तो नहीं हटा पाए लेकिन जिन्होंने अपनी मेहनत से मकान बनाए हैं, जमीन का प्लॉट लिया है, माताओं- बहनों ने अपने लिए जेवर बनाए हैं, कांग्रेस की कुदृष्टि उस पर पड़ी हुई है। कांग्रेस धार्मिक स्थलों की संपत्ति पर, बहन-बेटियों, माताओं की स्वयं की संपत्ति पर, लोगों द्वारा परिश्रम से अर्जित संपत्ति पर डकैती डालने की कुचेष्ठा करने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस के लिए अजगर करे न चाकरी, पंछी करे न काज की उक्ति को सटीक बताते हुए सीएम योगी ने कहा कि यह पार्टी खुद कुछ परिश्रम करने की बजाय चुनाव में जाति, मत, मजहब के नाम पर विभाजन कर सामाजिक वैमनस्यता फैलाने ओर उतारू है।

'दादी से लेकर पोते तक' इसी नारे से ....

मंगलवार सुबह गोरखपुर में मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कांग्रेस ने 1970 के दशक में गरीबी हटाओ का नारा दिया था लेकिन छह दशक से अधिक शासन करने के बावजूद वह कभी गरीबी हटा नहीं पाई। छह दशक से अधिक समय तक 'दादी से लेकर पोते तक' इसी नारे से देश की जनता की आंखों में धूल झोंकने का कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सही मायने में अगर देखा जाए तो गरीबी हटाने और गरीब कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ईमानदारी से, बिना भेदभाव हर व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने किया है।

वंचितों के जीवन में खुशहाली लाने वाले पीएम मोदी हैं

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आजादी के 70 वर्षों तक देश के अंदर सबसे अधिक समय तक कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने राज किया लेकिन उसके कुसाशन के चलते करोडों लोग मकान, बिजली, नल, इलाज की सुविधा, शौचालय, रसोई गैस जैसी बुनियादी जरूरतों से वंचित रहे। गरीबों को बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखने की दोषी कोई और नहीं, कांग्रेस और उसके पार्टनर हैं। जबकि इन करोडों वंचितों के जीवन में खुशहाली लाने वाले पीएम मोदी हैं।

जोर से पटाखे की आवाज आने पर भी पाकिस्तान सफाई देने लगता है: योगी

मुख्यमंत्री योगी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि आज कहीं जोर से पटाखे की आवाज़ आती है तो पाकिस्तान सफाई देने लगता है। यही होता है भय बिन होय न प्रीत। यही होता है सशक्त नेतृत्व, कांग्रेस के समय ये लोग आंखों में चश्मा लगा कर चुप्पी साधकर बैठ जाते थे। मुख्यमंत्री योगी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी ने तो इससे भी ज्यादा बेशर्मी की, जिन लोगों ने रामजन्मभूमि और काशी संकटमोचन मंदिर पर आतंकी हमले किये थे, उनके मुकदमे वापस ले कर उन्हें सम्मानित कर रहे थे। ये लोग किस मुंह से सुरक्षा की बात करेंगे।

हनुमत जयंती पर संकटमोचन दरबार में उमड़ी भीड़

एजेंसी । वाराणसी

काशीपुराधिपति बाबा विश्वनाथ की नगरी हनुमत जन्मोत्सव पर मंगलवार को संकटमोचन की आराधना में लीन रही। श्री संकटमोचन दरबार सहित सभी छोटे-बड़े हनुमान मंदिरों में भोर से ही दर्शन पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रही। श्री संकटमोचन दरबार में वर्ष पर्यंत भक्तों को खड़ी मुद्रा में दर्शन देने वाले भगवान संकट मोचन का खास बैठकी श्रृंगार किया गया। बैठकी श्रृंगार का दर्शन पाने के लिए श्रद्धालु आधी रात के बाद से ही दरबार में कतारबद्ध होने लगे। गौरतलब हो कि वर्ष में हनुमत जयंती ही एकमात्र दिन होता है जब भगवान संकट मोचन बैठी हुई मुद्रा में दर्शन देते हैं। ब्रह्ममुहूर्त में गोस्वामी तुलसीदास द्वारा स्थापित संकटमोचन के विग्रह का पंचामृत स्नान कराया गया। इसके बाद विग्रह को सिंदूर का लेपन किया गया।

मौसम का मिजाज बदलते ही अस्पताल में बढ़ने लगी मरीजों की संख्या

एजेंसी । महोबा

तापमान में बढ़ोतरी होने से लोगों की सेहत बिगड़ने लगी है। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक गर्मी की चपेट में आ रहे हैं। बुखार के साथ पेट दर्द, दस्त और अन्य बीमारियों के मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है।

बुखार, उल्टी, दस्त जैसी बीमारियों का हो रहे हैं शिकार

इस समय दिन में तेज धूप हो रही है और गर्म हवायें चल रही हैं। इसका असर लोगों की सेहत पर पड़ रहा है। इससे लोग बुखार, उल्टी, दस्त और अन्य संक्रामक बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। मंगलवार को जिला अस्पताल में मरीजों की भारी भीड़ देखने को मिली है। वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉक्टर योगेंद्र राजावत ने मंगलवार को यह बताया कि गर्मी के मौसम में ज्यादा से ज्यादा पानी का सेवन करें। बाहरी खान पान पर संयम बरतें। बासी खाना न खाएं। बिना गमछा के घर से न निकलें।

मलाही में आठ अपराधी हथियार और कारतूस के साथ गिरफ्तार

एजेंसी । पूर्वी चंपारण

जिले के मलाही थाना क्षेत्र में पुलिस ने हथियार और कारतूस के साथ आठ अपराधी को गिरफ्तार किया है। बताया गया कि लोकसभा चुनाव को लेकर एसपी कांतेश कुमार मिश्र के निर्देश पर अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के दौरान गुप्त सूचना पर अरेराज डीएसपी रंजन कुमार के नेतृत्व में मलाही थाना पुलिस ने क्षेत्र के रमसिरिया मुशहरी के समीप चौकस नाकाबंदी के बाद छापेमारी करते हुए आठ अपराधियों को आग्नेयास्त्र एवं कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गये अपराधियो में पूर्वी चंपारण जिले के मलाही थाना क्षेत्र निवासी संतोष कुमार, मिथुन कुमार,सचिन कुमार,मुकेश कुमार,दीपक कुमार,उमेश कुमार, रविन्द्र सहनी व संग्रामपुर थाना क्षेत्र निवासी राजकुमार महतो उर्फ बुलेट बताये गये है।

बूथों पर मतदाताओं को मिलेगी सभी जरूरी सुविधाएं:डीएम

एजेंसी । पूर्वी चंपारण

जिला में लोकसभा चुनाव को लेकर मतदान छठे चरण में अगामी 25 मई को होगा।जिसको लेकर सभी तैयारियां पूरी की जा रही है। जिले में गत लोकसभा चुनाव में 60% से अधिक मतदान हुआ था। वही इस बार जिला प्रशासन ने मतदान 70% कराने का लक्ष्य निर्धारित किया है,जिसके लिए जिले में लगातार मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

इन न्यूनतम सुविधा का होना अनिवार्य है

मतदान बढाने को लेकर मंगलवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह डीएम सौरभ जोरवाल ने जिला के सभी 27 प्रखंडों के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के साथ बैठक किया।इस दौरान उन्होने मतदान के दिन मतदान केंद्र पर सभी जरूरी सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

ट्रक-बस में टक्कर, चार मरे 34 घायल

एजेंसी । कन्नौज

उत्तर प्रदेश में कन्नौज जनपद के लखनऊ आगरा एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार की अल सुबह डिवाइडर तोड़कर स्लीपर बस दूसरे साइड से आ रहे ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में चार यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई और 34 लोग घायल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर दुख जताते हुए घायलों को हर संभव मदद के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

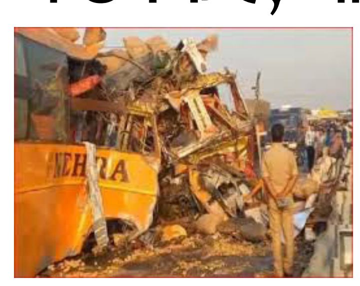

लखनऊ आगरा एक्सप्रेस-वे पर हुआ हादसा

लखनऊ आगरा एक्सप्रेस-वे पर हुए सड़क हादसे की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद,अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. संसार सिंह, क्षेत्राधिकारी डॉ. प्रियंका वाजपेई व ठठिया थाना की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने यूपीडा कर्मियों की सहायता से घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया।

हादसे की वजह चालक की नींद बताई जा रही है

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गोरखपुर से एक बस लगभग 40 यात्रियों को लेकर दिल्ली जा रही थी। कन्नौज के आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर पिपरौली गांव के पास मंगलवार की भोर के वक्त डिवाइडर तोड़कर बस दूसरी तरफ से जा रहे ट्रक में जा घुसी। हादसे में बस में सवार 34 लोग समेत ट्रक चालक व परिचालक घायल हो गए। प्रथमदृष्टया हादसे की वजह चालक को नींद होना बताया जा रहा है। पुलिस ने यूपीडा कर्मियों के सहयोग से सभी घायलों को बाहर निकालकर इलाज के लिए अस्पताल भेजा। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जिनकी अभी शिनाख्त नहीं हो सकी है। घायलों को इलाज तिर्वा मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।

राजस्थान

एससी-एसटी आरक्षण कम करके मुसलमानों में बांटना चाहती है कांग्रेस : मोदी

टोंक। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को टोंक-सवाईमाधोपुर लोकसभा क्षेत्र के उनियारा में भाजपा उम्मीदवार सुखबीर सिंह जौनापुरिया के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सोच हमेशा से तुष्टिकरण की राजनीति की रही है। कांग्रेस एससी-एसटी के आरक्षण को कम करके मुसलमानों में बांटना चाहती है। मोदी ने एक बार फिर कहा है कि देश में आरक्षण कभी खत्म नहीं होगा। भाजपा के वरिष्ठ नेता मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने 2004 में सबसे पहले आंध्र प्रदेश में एसी-एसटी के आरक्षण में कमी करके मुसलमानों को देने की कोशिश की। यह एक पायलट प्रोजेक्ट था, जिसे बाद में पूरे देश में लागू करने की योजना थी लेकिन कांग्रेस के मंसूबे कामयाब नहीं हो सके। जब कर्नाटक में भाजपा सरकार थी तो हमने सबसे पहला काम किया, कांग्रेस ने जो एससी- एसटी से आरक्षण छीनकर मुस्लिम कोटा निकाला था उसे खत्म किया। मोदी संविधान को समझता है, बाबा साहेब अंबेडकर की पूजा करने वाला व्यक्ति है। आरक्षण का हक बाबा साहेब ने दलित, आदिवासी और पिछड़ों को दिया।

रिफाइनरी बड़ा प्रोजेक्ट, काम तेजी पर है- मुख्य सचिव पंत

जोधपुर। मुख्य सचिव सुधांशु पंत मंगलवार को जयपुर के रवाना हो गए। वे सोमवार को बाड़मेर पचपदरा में बन रही रिफाइनरी के कार्य को देखने के साथ समीक्षा बैठक में गए थे। आज लौटते समय एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत की और कहा कि यह बड़ा प्रोजेक्ट है और काम तेजी पर चल रहा है। साइट विजिट को मौके पर देखा है। संबंधित अधिकारियों एचपीसीएल आदि के साथ चर्चा हुई है। तेज गति से काम चल रहा है। पंत ने कहा कि उसमें दस यूनिट है, सभी पर विस्तृत चर्चा की गई है। सभी का काम अलग अलग समय में पूरा होगा। काम कब पूरा होगा उन सभी बिंदूओं पर चर्चा हुई है। आशा करते है कि काम जल्दी से पूर्ण हो जाएं।

शहर में धूमधाम से मनाई गई हनुमान जयंती

जोधपुर। शहर में मंगलवार का हनुमान जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाई गई। शहर के बालाजी मंदिर में भक्तों का रैला उमड़ पड़ा। अल सुबह से ही बालाजी के मंदिरों में भक्तों पहुंचने शुरू हो गए। राम हनुमान मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठान के रूप में सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा, रात्रि भजन संध्या और सवामणी तथा प्रसादी का आयोजन चला।

व्यापार जगत

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

एजेंसी । नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मंगलवार को मंगलकारी संकेत मिल रहे हैं। पिछले सप्ताह लगातार दबाव का सामना करने के बाद अमेरिकी बाजार में अब रिकवरी नजर आ रही है। पिछले सत्र के दौरान वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर भी मामूली बढ़त बनाए हुए है। इसी तरह यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। एशियाई बाजार में भी आज आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है।

टेक शेयरों में तेजी का रुख

पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में टेक शेयरों में तेजी का रुख बना रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांकों को काफी सपोर्ट मिला। डाउ जॉन्स 250 अंक तक उछल गया। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.79 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,006.71 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 152.89 अंक यानी 1 प्रतिशत की मजबूती के साथ 15,434.90 अंक के स्तर पर बंद हुआ। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 128.02 अंक यानी 1.60 प्रतिशत की उछाल के साथ 8,023.87 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.22 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,040.36 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 123.44 अंक यानी 0.69 प्रतिशत की बढ़त के साथ 17,860.80 के स्तर पर बंद हुआ।

हैंग सेंग इंडेक्स ने भी बड़ी छलांग लगाई

एशियाई बाजार में भी आज आमतौर पर मजबूती नजर आ रही है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं, जबकि 2 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,361 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.41 प्रतिशत टूट कर 3,032.3 अंक के स्तर तक गिर गया है। दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 187.48 अंक यानी 0.50 प्रतिशत की तेजी के साथ 37,626.09 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 1.22 प्रतिशत उछल कर 3,264.63 अंक तक पहुंच गया है। हैंग सेंग इंडेक्स ने भी आज बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 271.02 अंक यानी 1.64 प्रतिशत की तेजी के साथ 16,782.71 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 197.19 अंक यानी 1.02 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,608.41 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,633.23 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,358.22 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स से 0.62 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,117.34 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी !

- सेंसेक्स 89 अंक चढ़कर 73,738 पर
- बंद निफ्टी में भी 31 अंक
- की तेजी रही वोडा-आइडिया का शेयर 11% चढ़ा

एजेंसी । नई दिल्ली

मुंबई। शेयर बाजार में मंगलवार, 23 अप्रैल को तेजी देखने को मिली है। सेंसेक्स 89 अंक की बढ़त के साथ 73,738 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 31 अंक की तेजी रही। ये 22,368 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 में तेजी और 13 में गिरावट देखने को मिली है। वहीं वोडाफोन-आइडिया के शेयर में आज 11.63% की तेजी रही। इसका शेयर 1.50 रुपए (11.63%) बढ़कर 14.40 रुपए पर बंद हुआ।

सोमवार को बाजार में रही थी तेजी

इससे पहले सोमवार को शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली थी। सेंसेक्स 560 अंक की तेजी के साथ 73,648 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी में भी 189 अंक की तेजी रही। ये 22,336.40 के स्तर पर बंद हुआ था।

टॉप गेनर

सेंसेक्स की कंपनियों में भारती एयरटेल, नेस्ले, मारुति, टाटा मोटर्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एनटीपीसी, एशियन पेंट्स और भारतीय स्टेट बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

टॉप लूज़र

दूसरी तरफ, सन फार्मा, रिलायंस इंडस्ट्रीज (Reliance Industries), महिंद्रा एंड महिंद्रा, जेएसडब्ल्यू स्टील, टेक महिंद्रा और बजाज फाइनेंस प्रमुख रूप से गिरावट में बंद हुए।

रिलायंस जियो के प्रबंध निदेशक ने अपने पद से दिया इस्तीफा

एजेंसी । नई दिल्ली

रिलायंस के द्वारा सोमवार को अपने साल भर की कमाई का लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया। हालांकि, इसके साथ ही, रिलायंस जियो के प्रबंध निदेशक संजय मशरूवाला ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। वो रिलायंस जियो के दो प्रबंध निदेशकों में से एक हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में यह जानकारी दी। रिलायंस जियो के संस्थापक धीरूभाई अंबानी के समय से ही 76 वर्षीय संजय मशरूवाला, रिलायंस के साथ बतौर प्रमुख कार्यकारी जुड़े रहे हैं। वह इसकी कई परियोजनाओं और व्यावसायिक कदमों में शामिल रहे हैं। कंपनी ने कहा कि वह 9 जून से जियो छोड़ देंगे। बीएसई को दी गई सूचना के अनुसार, अन्य प्रबंध निदेशक पंकज मोहन पवार अपने स्थान पर बने रहेंगे।

वर्क फ्रॉम होम वाले कर्मचारियों को TCS नहीं देगा परफॉर्मेंस बोनस

एजेंसी । नई दिल्ली

टाटा ग्रुप और देश की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) ने वर्क फ्रॉम होम करने वाले कर्मचारियों को झटका दिया है। कंपनी चाहती है कि उसके सभी कर्मचारी ऑफिस आकर काम करें। इसे देखते हुए कंपनी ने वर्क फ्रॉम होम की जगह नया हाइब्रिड मॉडल लागू कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने ऐसे कर्मचारियों को परफॉर्मेंस बोनस नहीं देने का फैसला किया है जो घर से काम करना चाहते हैं।

वर्क फ्रॉम होम लेने से पहले कारण बताना होगा

मेमो में कहा गया है कि जो कर्मचारी 85% या उससे अधिक की ऑफिस उपस्थिति को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं, उनके ऊपर कंपनी के द्वारा अनुशासनात्मक कार्रवाई भी कर सकती है।

विमान में 12 साल तक के बच्चों को माता-पिता के साथ सीट दी जाए

एजेंसी । नई दिल्ली

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर सख्त कदम उठाया है। विमानन नियामक डीजीसीए ने एयरलाइन कंपनियों को उड़ान के दौरान 12 साल तक के बच्चों को उनके माता-पिता या अभिभावकों के साथ सीट आवंटित करने का निर्देश दिया है।

इसके अलावा कोई अतिरिक्त चार्ज नहीं देना होगा

डीजीसीए ने मंगलवार को जारी एक बयान में एयरलाइंस कंपनियों को यह सुनिश्चित करने को कहा है कि 12 वर्ष तक के बच्चों को एक ही पीएनआर पर यात्रा कर रहे उनके माता-पिता या अभिभावकों में कम से कम एक के साथ उनकी सीट आवंटित की जाए। अब डीजीसीए की ओर से 2024 में जारी एयर ट्रांसपोर्ट सर्कुलर (एटीसी)-01 के मुताबिक 12 साल से कम उम्र के बच्चे को हवाई सफ़र के दौरान उसके अभिवावकों के पास वाली सीट उपलब्ध हो सकेगी।

दिल्ली कैपिटल्स की गुजरात टाइटंस से टक्कर

एजेंसी । नई दिल्ली

आईपीएल 2024 के 40वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला गुजरात टाइटंस से अपने होम ग्राउंड अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में बुधवार शाम 7.30 बजे से होगा। ये इस सीजन में दोनों टीमों की दूसरी भिड़त होगी। इससे पहले, अहमदाबाद में हुए मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने गुजरात टाइटंस को बुरी तरह हराया था। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात की टीम 89 रन पर ढेर हो गई थी और दिल्ली ने ये मैच 6 विकेट से जीत लिया था। ऐसे में गुजरात की नजर घर में मिली इस हार का हिसाब चुकता करने पर होगी। दिल्ली कैपिटल्स को अपने पिछले मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद से हार मिली थी जबकि गुजरात टाइटंस ने अपने पिछले मैच में पंजाब किंग्स को हराया था। आईपीएल 2024 के पॉइंट्स टेबल में दोनों टीमों में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है।

गुजरात टाइटंस ने अबतक 8 में से 4 मैच जीते और 4 हारे हैं। 8 अंक के साथ टीम पॉइंट्स टेबल में छठे स्थान पर है। दिल्ली कैपिटल्स 8वें पायदान पर है। ऋषभ पंत की दिल्ली टीम ने 8 में से 3 मैच ही जीते हैं।

क्या गिल की सेना घर में मिली हार का हिसाब कर पाएगी चुकता?

हेड टू हेड

दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के बीच अबतक तीन मैच हुए हैं। इसमें से गुजरात ने दो और दिल्ली ने एक मुकाबला जीता है।

ऋषभ पंत की कप्तानी पर सवाल

ऋषभ पंत की कप्तानी पर इस सीजन में सवाल हैं। पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ टॉस जीतने के बावजूद उन्होंने पहले गेंदबाजी चुनी जबकि शाम को ओस की आशंका जताई गई थी। हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 266 रन कूट डाले थे। इसका पीछा करते हुए दिल्ली की टीम 199 रन पर ढेर हो गई थी। पंत का हैदराबाद की पारी का दूसरा ओवर ललित यादव को देना भी समझ से परे था। क्योंकि हैदराबाद ने पावरप्ले में बिना विकेट गंवाए रिकॉर्ड 125 रन बनाए थे। पंत ने इस मैच में 35 गेंद में 44 रन जरूर बनाए। लेकिन, वो बिल्कुल लय में नहीं दिखे थे।

दिल्ली के दोनों ओपनर बेरंग दिखे

पृथ्वी शॉ और डेविड वॉर्नर इस सीजन में बेरंग नजर आ रहे हैं। इस वजह से मध्य क्रम पर अतिरिक्त दबाव आ रहा। हैदराबाद के खिलाफ भी ऐसा ही हुआ था।

गेंदबाजी दिल्ली की कमजोर कड़ी

दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाजी इस सीजन में बेहद कमजोर नजर आ रही। हैदराबाद के खिलाफ पहले ओवर में शॉर्ट पिच गेंदों का इस्तेमाल करने का खलील अहमद का फैसला टीम पर भारी पड़ा था। दिल्ली में बाउंड्री छोटी है। ऐसे में खलील को इससे बचना होगा। एनरिक नॉर्खिया बेरंग दिखे हैं। ईशांत शर्मा की फिटनेस सबसे बड़ी परेशानी है। कुलदीप यादव दिल्ली के सबसे सफल गेंदबाज रहे हैं। उन्होंने 5 मैच में 10 विकेट लिए हैं। लेकिन, हैदराबाद के खिलाफ मैच में उन्होंने सबसे अधिक 7 छक्के खाए थे।

गुजरात टाइटंस के प्रदर्शन में भी निरंतरता का अभाव

शुभमन गिल की अगुआई वाली गुजरात टाइटंस का प्रदर्शन भी अबतक फीका रहा है। पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में मिली जीत के बाद गुजरात छठे पायदान पर आ गई है। वो भी जीत का सिलसिला बरकरार रखना चाहेगी। शुभमन गिल के अलावा डेविड मिलर, साईं सुदर्शन और अजमतुल्लाह उमरजई से बैटिंग में भी योगदान की जरूरत होगी। वहीं, गेंदबाजी में राशिद खान और मोहित शर्मा पर सारा दारोमदार होगा।

टीमें इस प्रकार हैं

दिल्ली कैपिटल्स: ऋषभ पंत (कप्तान), डेविड वार्नर, अभिषेक पोरेल, रिकी भुई, यश ढुल, शाई होप, पृथ्वी साव, ट्रिस्टन स्टब्स, कुमार कुशाग्र, स्वस्तिक चिकारा, इशांत शर्मा, झाय रिचर्डसन, रसिक डार, विक्की ओस्तवाल , एनरिक नोर्किया, मुकेश कुमार, कुलदीप यादव, प्रवीण दुबे, खलील अहमद, सुमित कुमार, अक्षर पटेल, ललित यादव, और जेक फ्रेजर-मैकगर्क।

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), डेविड मिलर, रिद्धिमान साहा, साई सुदर्शन, शाहरुख खान, मैथ्यू वेड, केन विलियमसन, अजमतुल्लाह उमरजई, अभिनव मनोहर, राशिद खान, विजय शंकर, राहुल तेवतिया, स्पेंसर जॉनसन, कार्तिक त्यागी, जोशुआ लिटिल, दर्शन नालकंडे, नूर अहमद, रविश्रीनिवासन साई किशोर, मोहित शर्मा, जयंत यादव, उमेश यादव, सुशांत मिश्रा, संदीप वारियर, शरत बीआर और मानव सुतार।

मुंबई के मैदानों से

दो मई से बांबे वायएमसीए द्वारा प्रशिक्षण शिविर

मुंबई। पुरानी खेल संस्थाओं में से एक बांबे वायएमसीए द्वारा विभिन्न खेलों के लिए उनके प्रत्येक केन्द्रों पर ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिबिर का आयोजन किया जा रहा है। कुछ केन्द्रों पर यह प्रशिक्षण शिबिर पूरी तरह से निशुल्क है तथा अन्यत्र कई केन्द्रों पर इकॉनामिक दरें रखी गई हैं। बास्केटबॉल, कबड्डी, टेबल टेनिस, रोलर स्केटिंग, लॉन टेनिस, कराटे, किक बॉक्सिंग, केत्सुगो/मिश्रित मार्शल आर्ट, शारीरिक सौष्ठव, शतरंज, बैडमिंटन, तीरंदाजी, जिमनास्टिक, तैराकी और दीवार पर चढ़ना, फुटबॉल, एथलेटिक्स और कुश्ती इन सभी खेलों के प्रशिक्षण शिबिर आयोजित किए जाएंगे।

कोठारी को रजत और सितवाला को कांस्य

मुंबई। भारत के अग्रणी बिलियड्र्स खिलाड़ी सौरव कोठारी और ध्रुव सितवाला ऑयरलैंड में संपन्न हुई विश्व मैचप्ले बिलियड्र्स चैंपियनशिप में क्रमशः रजत पदक और कांस्य पदक जीतने में सफल रहे हैं। सौरव कोठारी फाइनल में इंग्लैंड के डेविड कुजिएर के खिलाफ जोरदार खेल का प्रदर्शन किया, लेकिन 15 फ्रेम वाले मुकाबले में वे 2-8 से पराजित हो गए। प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में सौरव कोठारी हमवतन ध्रुव सितवाला को 7-3 से और डेविड कुजिएर ने मार्टिन गुविल को 7-2 से हराया था और फाइनल में जगह बनाई थी।

मोहम्मद रिजवान की डॉन ब्रैडमैन से तुलना करके फंस गए शाहीन अफरीदी

एजेंसी । नई दिल्ली

पाकिस्तान के बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान हाल ही में टी20 में सबसे तेज 3 हजार रन पूरे करने वाले बैटर बने थे। इस मामले में उन्होंने विराट कोहली और बाबर आजम जैसे बल्लेबाजों को पीछे छोड़ दिया। रिजवान की इस उपलब्धि के बाद उन्हें सोशल मीडिया पर बधाई मिल रही। टीम के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने भी रिजवान को बधाई दी। लेकिन, वो इस चक्कर में बुरे फंस गए और उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जाने लगा। दरअसल, अफरीदी ने रिजवान की तुलना पूर्व दिग्गज क्रिकेटर डॉन ब्रैडमैन से कर दी थी। इसके बाद से वो सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रहे।

क्या कहा शाहीन अफरीदी ने ?

शाहीन अफरीदी ने मोहम्मद रिजवान को बधाई देते हुए एक्स पर एक पोस्ट लिखा था, टी20 क्रिकेट के बैडमैन और पाकिस्तान के सुपरमैन मोहम्मद रिजवान को 3 हजार टी20 रन बनाने के लिए बधाई। आपके प्रभाव ने खेल को बदलकर रख दिया है और सवाल उठाने वालों को चुप करा दिया। बढ़ते रहो चैंपियन। आप कई लोगों के लिए मिसाल हो।

हुए बुरी तरह ट्रोल

शाहीन के इस पोस्ट के बाद उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया गया। कुछ फैंस ने टी20 रिकॉर्ड से जुड़े आंकड़े दिखाकर शाहीन को आइना दिखाने की कोशिश की। वहीं, कुछ ने रिजवान को टी20 का बेस्ट प्लेयर भी बताया। रिजवान ने 93 टी20 की 80 पारियों में 49 की औसत से 3048 रन बनाए हैं। उन्होंने ये रन 127 के स्ट्राइक रेट से बनाए हैं, जिसे टी20 में अच्छा नहीं माना जाएगा। उनका स्ट्राइक रेट हारिस रऊफ से भी खराब है। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही टी20 सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबरी पर है।

भारत की नंबर एक टेबल टेनिस खिलाड़ी बनी श्रीजा

एजेंसी । नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेलों की मिश्रित युगल चैंपियन श्रीजा अकुला मंगलवार को नवीनतम आईटीटीएफ रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 38वें स्थान पर पहुंची और मनिका बत्रा को पछाड़कर शीर्ष रैंकिंग वाली भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी बन गईं। नवीनतम रैंकिंग में श्रीजा को एक स्थान का फायदा हुआ जबकि पिछले कुछ समय से भारत की नंबर एक टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका दो स्थान के नुकसान से 39वें पायदान पर खिसक गईं। इस साल 25 साल की श्रीजा ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। उन्होंने डब्ल्यूटीटी फीडर कॉरपस क्रिस्टी और डब्ल्यूटीटी फीडर बेरूत टूर्नामेंट में क्रमशः जनवरी और मार्च में खिताब जीते। वह गोवा में डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर के क्वार्टर फाइनल में भी पहुंची। श्रीजा ने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में अनुभवी अचंता शरत कमल के साथ मिलकर मिश्रित युगल का स्वर्ण पदक जीता था। यशस्विनी घोरपड़े और अर्चना कामत क्रमशः 99वें और 100वें स्थान पर बरकरार हैं। शरत रैंकिंग में 37वें स्थान के साथ शीर्ष रैंकिंग वाले भारतीय खिलाड़ी हैं। जी साथियान और मानव ठाकर ने क्रमशः 60वें और 61वें स्थान पर एक दूसरे की जगह ली है।

बड़े पर्दे पर डॉन बनकर फिर छाएंगे शाहरुख

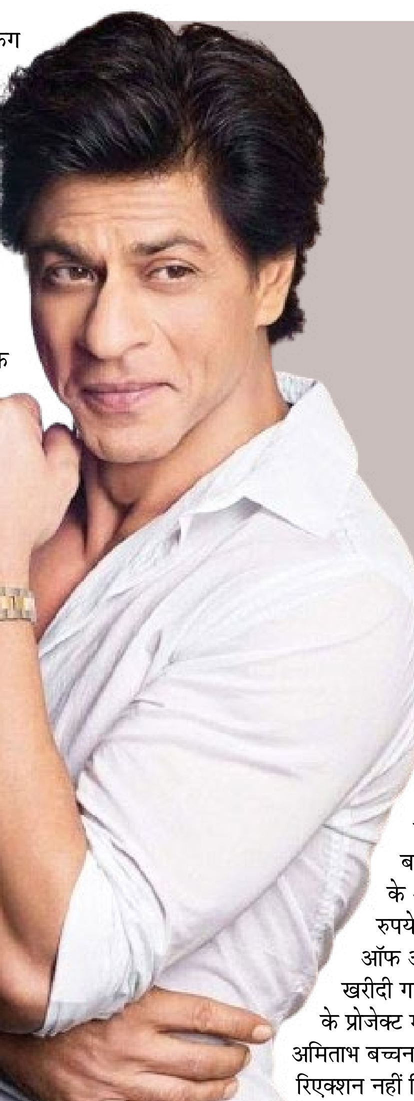

शाहरुख खान को हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का किंग भी कहा जाता है। बड़े पर्दे पर अब तक उन्होंने कई यादगार किरदार निभाए हैं। डॉन के रोल में भी उन्हें दर्शकों ने खूब पसंद किया था। अब किंग खान एक बार फिर से डॉन बनकर छा जाने के लिए तैयार हैं। हालांकि, वे यह किरदार फरहान अख्तर की फिल्म के लिए नहीं बल्कि दूसरी फिल्म के लिए निभाएंगे। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बेटी सुहाना खान की फिल्म में वे डॉन के किरदार में दिखेंगे। फिल्म में किंग खान ग्रे शेड भूमिका में होंगे। रिपोर्ट के अनुसार शाहरुख और सुहाना सुजॉय घोष की एक फिल्म में साथ काम कर रहे हैं। इसका नाम कथित तौर पर किंग रखा गया है। यह पठान के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद और शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान की कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट द्वारा सह-निर्मित है। रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से बताया गया है कि शाहरुख खान को यह बात पता है कि उनके चाहने वाले उन्हें ग्रे शेड्स में देखने के लिए बेताब हैं। सूत्र ने बताया कि किंग उनका जुनूनी प्रोजेक्ट है और वह सिद्धार्थ आनंद और सुजॉय घोष के साथ प्रोजेक्ट के सभी पहलुओं पर सावधानीपूर्वक काम कर रहे हैं। उन्होंने सामूहिक रूप से किंग में शाहरुख के लिए ग्रे शेड्स के साथ एटीट्यूड और स्वैग से भरा एक बहुत अच्छा किरदार तैयार किया है।'

'द लीजेंड ऑफ हनुमान' के चौथे सीजन का हुआ ऐलान

जीवन जे कांग और नवीन जॉन की वेब सीरीज 'द लीजेंड ऑफ हनुमान' के तीनों सीजन को दर्शकों का बेशुमार प्यार मिला है। अब हनुमान जयंती (23 अप्रैल) के खास मौके पर निर्माताओं ने दर्शकों को बड़ा तोहफा दिया है। दरअसल, उन्होंने 'द लीडेंज ऑफ हनुमान' के चौथे सीजन का ऐलान कर दिया है, जिसका प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 'द लीडेंज ऑफ हनुमान' जल्द डिज्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज होगी। फिलहाल इसकी रिलीज तारीख सामने नहीं आई है। डिज्नी+ हॉटस्टार ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर 'द लीडेंज ऑफ हनुमान' का टीजर साझा किया है। उन्होंने लिखा, 'बजरंगबली ने बुलाया है, आना तो पड़ेगा।'

अमिताभ बच्चन ने अलीबाग में खरीदी जमीन

अमिताभ बच्चन ने अयोध्या में जमीन खरीदने के बाद अब अलीबाग में भी शानदार लोकेशन पर करोड़ों की जमीन खरीदी है। बिग बी ने हाल ही में अयोध्या में राम मंदिर बनने के बाद वहां जमीन खरीदी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार बिग बी ने अलीबाग में 10 करोड़ रुपये की जमीन खरीदी है। कथित तौर पर द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा से 10,000 वर्ग फुट जमीन खरीदी गई है। यह जमीन कथित तौर पर ए अलीबाग नाम के प्रोजेक्ट में खरीदी गई हैं। हालांकि बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन ने अभी तक इस खरीदारी पर कोई रिएक्शन नहीं दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बिग बी ने पिछले हफ्ते लेनदेन रजिस्टर्ड किया था।

नोरा फतेही ने 'ग्लैम गर्ल' बुलाए जाने पर दी प्रतिक्रिया

नोरा फतेही किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। अभिनेत्री ने जिस तरह बाहर से आकर पहले डांसर और फिर अभिनेत्री के रूप में इंडस्ट्री में जगह बनाई है, वह काबिल-ए-तारीफ है। इसके अलावा अभिनेत्री अपनी बॉडी फिगर के लिए भी सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने पैपराजी के व्यवहार पर बात की। अभिनेत्री ने बताया कि इतनी मेहनत करने के बाद भी जब लोग उन्हें सिर्फ 'ग्लैम गर्ल' बुलाते हैं तो उन्हें कैसा लगता है।

'मेरा जैसा व्यक्ति नहीं देखा होगा'

नोरा ने पैपराजी के उनके शरीर के अंगों पर जूम करने के व्यवहार पर बात की और कहा शायद उन्होंने उनके जैसा व्यक्ति नहीं देखा। वह बोलीं, ऱमीडिया सिर्फ मेरे साथ नहीं अन्य अभिनेत्रियों के साथ भी ऐसा करता है। हो सकता है कि वे बट पर जूम ना करें, लेकिन वे शरीर के अन्य हिस्सों पर जूम करते हैं। मुझे लगता है कि जूम करने के लिए कुछ भी नहीं है, वे क्यों कर रहे हैं? नोरा की फिगर को लेकर बातें चलती रहती हैं, लेकिन नोरा का कहना है कि वह कभी भी ये बातें उन तक नहीं पहुंचने देतीं।

दिल्ली में टल सकता है मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव

एजेंसी | नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के बीच दिल्ली नगर निगम मेयर चुनाव पर खतरा मंडराता दिखाई दे रहा है। अगले हफ्ते 26 अप्रैल को दिल्ली नगर निगम मेयर चुनाव घोषित किए गए हैं। इसी दिन लोकसभा चुनाव 2024 के दूसरे चरण की वोटिंग भी होनी है। वहीं दिल्ली की सभी 7 सीटों पर 25 मई को एक साथ वोटिंग की जाएगी। लेकिन आम चुनाव से पहले दिल्ली मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव होना है। दिल्ली में लोकसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लागू होने के चलते मेयर चुनाव टल सकता है। नियम के मुताबिक आचार संहिता लागू रहने की स्थिति में मेयर चुनाव की बैठक बुलाने के लिए ECI की इजाजत लेनी होती है। लेकिन जानकारी के मुताबिक अभी तक MCD अधिकारियों को इसके लिए NOC नहीं मिली है।

अभी भी NOC का इंतजार

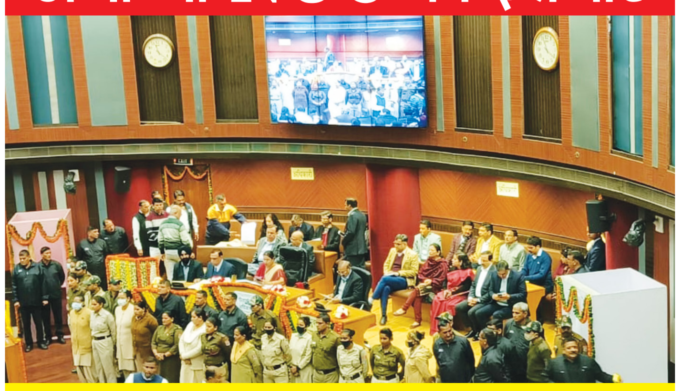

कुल 6 लोगों ने नामांकन दाखिल किया

बता दें कि आम आदमी पार्टी से महेश खिंची ने मेयर पद के लिए और रविन्द्र भारद्वाज ने डिप्टी मेयर के लिए नामांकन भरा है। वहीं बीजेपी से किशन लाल मेयर पद के लिए और डिप्टी मेयर के तौर पर नीता बिष्ट ने नामांकन भरा है। 18 अप्रैल को आप पार्टी और बीजेपी के कुल 6 लोगों ने नामांकन दाखिल किया है।

लोकसभा चुनाव से पड़ सकता है प्रभाव

वहीं लोकसभा चुनाव के चलते देशभर में आचार संहिता लगी हुई है। इसी के चलते ये माना जा रहा है कि मेयर और डिप्टी मेयर चुनाव पर वोटर्स का कुछ प्रभाव पड़ सकता है। माना जा रहा है कि मेयर चुनाव में लोकसभा चुनाव का प्रभाव पड़ सकता है। निगम के कानून के मुताबिक उपराज्यपाल ही निगम के मुख्य प्रशासक होता है। दिल्ली के मुख्यमंत्री मौजूदा समय में जेल में बंद हैं। ऐसे में मेयर चुनाव में ये भी एक पेंच फंसा हुआ है। ऐसे में ये भी सवाल खड़े हो रहे हैं कि क्या जेल में ही केजरीवाल को फाइल भेजी जाएगी।

जेल में ही रहेंगे अरविंद केजरीवाल और के. कविता

■ कोर्ट ने बढ़ाई न्यायिक हिरासत

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने शराब नीति मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 14 दिन बढ़ा दी है। अब उन्हें 7 मई तक जेल में रहना होगा। इसके अलावा भारत राष्ट्र समिति (BRS) की नेता के कविता की न्यायिक हिरासत भी 14 दिन बढ़ाकर 7 मई तक कर दी गई है। वह भी तिहाड़ जेल में बंद हैं। विशेष जज कावेरी बावेजा की कोर्ट ने यह दोनों फैसले सुनाए। बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने कथित शराब नीति घोटाले में 21 मार्च को केजरीवाल को उनके घर से गिरफ्तार किया था। पहले 11 दिन वह ED की हिरासत में रहे और 1 अप्रैल को कोर्ट ने उन्हें 15 दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेज दिया। इसके बाद उनकी न्यायिक हिरासत को एक बार और 7 दिन बढ़ा दिया गया, जो आज 23 अप्रैल को समाप्त हो रही थी।

क्या है शराब नीति मामला?

आम आदमी पार्टी (AAP) की दिल्ली सरकार ने नवंबर, 2021 में नई शराब नीति लागू की थी, जिसमें शराब के ठेके निजी शराब कंपनियों को दिए गए थे। ED का आरोप है कि शराब कंपनियों और 'दक्षिण समूह' को फायदा पहुंचाने के लिए दिल्ली सरकार ने नीति में बदलाव किए और इसके बदले कंपनियों और 'दक्षिण समूह' ने AAP को रिश्वत दी। ED का दावा है कि दक्षिण समूह ने AAP को 100 करोड़ रुपये रिश्वत दी।

केजरीवाल पर आरोप

ED का आरोप है कि केजरीवाल की दिल्ली सरकार ने शराब कारोबारियों के फायदे के लिए अपनी नई शराब नीति में बदलाव किए थे और इसके बदले में 100 करोड़ रुपये रिश्वत ली थी। ED ने केजरीवाल को इसका सरगना बताया है।

15 मार्च को गिरफ्तार की गई थीं के कविता

BRS नेता के कविता को ED ने 15 मार्च को हैदराबाद स्थिति उनके घर से गिरफ्तार किया था। 26 मार्च तक वे ED की हिरासत में रहीं, जिसके बाद कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेज दिया था। 9 अप्रैल को न्यायिक हिरासत 14 दिन बढ़ा दी गई, जो आज 23 अप्रैल को खत्म हो रही थी। इस बीच 11 अप्रैल को केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने भी उन्हें गिरफ्तार किया था।

न्यूज ब्रीफ

कलकत्ता हाई कोर्ट की चेतावनी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में राम नवमी पर हुई हिंसा को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट ने मंगलवार को सख्ती दिखाई। उन्होंने राज्य सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि वह उन सीटों पर लोकसभा चुनाव की अनुमति नहीं देगा, जहां हिंसा हुई है। कोर्ट ने कहा कि अगर लोग शांति और सद्भाव में नहीं रह सकते तो चुनाव आयोग उन जिलों में लोकसभा चुनाव नहीं करा सकता, यही एकमात्र तरीका है। कोर्ट ने 17 अप्रैल को मुर्शिदाबाद में राम नवमी के मौके पर हुई हिंसा के मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि अगर आचार संहिता लागू होने के बाद भी 2 समूह आपस में इसी तरह लड़ते रहे तो वे किसी निर्वाचित प्रतिनिधि के लायक नहीं। कोर्ट ने कहा कि बंगाल में चुनाव 4 और 13 मई को है, लेकिन यहां चुनाव नहीं कराने चाहिए। कोर्ट ने हिंसा पर रिपोर्ट मांगी है। मामले में अगली सुनवाई 26 अप्रैल को होगी।

हाईकोर्ट ने पूर्व डीजीपी की सजा को बरकरार रखा

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने मंगलवार को यौन उत्पीड़न के एक मामले में तमिलनाडु के पूर्व विशेष पुलिस महानिदेशक राजेश दास को दी गई तीन साल की सजा को रद्द करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति एम डांडापानी ने विभिन्न याचिकाओं को खारिज करते हुए दास को निचली अदालत के सामने आत्मसमर्पण करने से छूट देने से भी इनकार कर दिया। दास को विल्लुपुरम की स्थानीय अदालत ने 2021 में एक महिला आईपीएस अधिकारी का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के लिए दोषी ठहराया था। अदालत ने उन्हें तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। न्यायाधीश ने कहा कि महिलाओं की गरिमा भंग करने या उनके साथ अभद्र व्यवहार से जुड़े मामलों में अदालतों को आरोपियों की सजा रद्द करते वक्त बहुत चौकस रहना चाहिए और धीमी गति से काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मौजूदा मामला एक ऐसे व्यक्ति से जुड़ा है, जो पुलिस बल में बहुत ऊंचे पद पर आसीन था। उन्होंने कहा, पुलिस एक अनुशासित बल है, जिसमें शीर्ष पदों पर बैठे लोगों को उच्च अनुशासन का प्रदर्शन करना चाहिए और उन्हें खुद को देश के नागरिकों के लिए रोल मॉडल के रूप में पेश करना चाहिए।

30 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में फिर पेश होंगे बाबा रामदेव

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद, बाबा रामदेव और बालकृष्ण के खिलाफ अवमानना मामले में आज सुनवाई की। सुनवाई के दौरान बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण खुद अदालत में मौजूद थे। कोर्ट ने कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के एमडी रामदेव से दो दिन के भीतर अखबारों में प्रकाशित माफी को रिकॉर्ड पर पेश करने का आदेश दिया है। वहीं, अदालत ने बाबा रामदेव और बालकृष्ण को 30 अप्रैल को फिर से पेश होने का आदेश दिया है।

हालांकि, कोर्ट में बाबा रामदेव के वकील मुकुल रोहतगी ने दलील दी, हमने कल कई अखबारों में माफीनामा छपवाया है। इस पर कोर्ट ने कहा कि आखिर माफीनामा कल ही क्यों प्रकाशित किया गया। इसके अलावा बेंच ने ये भी सवाल उठाया कि आखिर माफीनामा उतना ही बड़ा छपा है, जितना बड़ा पतंजलि का विज्ञापन छपता है।

केंद्र सरकार पर भी कोर्ट सख्त

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान ये भी कहा कि सह-प्रतिवादी के रूप में उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय से सवाल पूछ रहा है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि देश भर के राज्य लाइसेंसिंग अधिकारियों को भी पार्टियों के रूप में जोड़ा जाएगा और उन्हें भी कुछ सवालों के जवाब देने होंगे।

सीएम हिमंत ने मेनिफेस्टो को लेकर विपक्ष पर साधा निशाना

एजेंसी | एर्नाकुलम

असम के सीएम और बीजेपी नेता हिमंत बिस्वा शर्मा ने कांग्रेस के घोषणापत्र को लेकर एक बार फिर निशाना साधा है। असम सीएम ने कहा, ?कांग्रेस पार्टी का घोषणापत्र इस तरह से तैयार किया गया है कि वे पाकिस्तान में चुनाव जीतें। घोषणापत्र पाकिस्तान के लोगों के लिए अधिक और भारत के लोगों के लिए कम है।'

लेफ्ट नेता ने लांघ डाली मर्यादा

राहुल के डीएनए जांच की मांग कर दी

■ केरल में दूसरे चरण की वोटिंग से पहले जुबानी जंग
■ लेफ्ट के नेता ने राहुल गांधी पर की निजी टिप्पणी
■ अनवर ने राहुल गांधी के सरनेम पर उठाए सवाल
■ केरल के सीएम ने राहुल गांधी पर बोला था हमला

एजेंसी | तिरुवनन्तपुरम

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के राहुल गांधी के एक पुराने नाम संबंधी बयान को लेकर अभी विवाद शांत नहीं हुआ था कि केरल में एलडीएफ के एक नेता ने राहुल गांधी के डीएनए जांच की मांग उठाई है। कांग्रेस पार्टी ने पिनराई विजयन के बयान पर कड़ी आपत्ति जताई थी। अब राज्य में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के विधायक पी वी अनवर ने यह कहकर एक और विवाद पैदा कर दिया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के डीएनए की जांच की जानी चाहिए। व्यवसायी से विधायक बने अनवर ने कहा कि कांग्रेस नेता चौथे दर्जे के नागरिक बन गए हैं, जो गांधी उपनाम से बुलाए जाने के लायक नहीं हैं।

कांग्रेस ने दर्ज कराई शिकायत

विजयन के खिलाफ गांधी के हालिया बयान से खफा अनवर ने सवाल किया कि नेहरू परिवार से संबंध रखने वाला कोई व्यक्ति इस तरह के बयान कैसे दे सकता है। अनवर ने पलक्कड एलडीएफ स्थानीय समिति द्वारा आयोजित एक बैठक में कहा कि मेरी राय है कि राहुल गांधी के डीएनए की जांच की जानी चाहिए। इसमें कोई विवाद नहीं है।

विधायक के बयान का किया समर्थन : राहुल गांधी ने राज्य में अपने हालिया प्रचार अभियान के दौरान सवाल किया था कि विपक्ष शासित राज्यों के दो मुख्यमंत्रियों को जेल भेजने वाली केंद्रीय एजेंसियों ने वरिष्ठ मार्क्सवादी नेता से पूछताछ क्यों नहीं और उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं किया, जबकि उन पर कई आरोप हैं। वामपंथी नेताओं ने विजयन के खिलाफ दिए गए बयानों के लिए कांग्रेस नेता की कड़ी आलोचना की और कहा कि उन्हें विजयन के बजाय मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की आलोचना करनी चाहिए। गांधी के खिलाफ अनवर की आपत्तिजनक टिप्पणी पर विजयन से उनकी प्रतिक्रिया के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने एलडीएफ विधायक की बातों को सही ठहराया और कहा कि कांग्रेस नेता आलोचना से परे व्यक्ति नहीं हैं।

राहुल गांधी ने साधा था निशाना : विजयन ने कन्नूर में संवाददाताओं से कहा कि राहुल गांधी ने जो कहा है, उसका जवाब उन्हें मिलेगा। वह आलोचना से परे नहीं हैं। विजयन ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष पर हमला करने के लिए राहुल गांधी के एक पुराने नाम का उनके द्वारा संदर्भ दिए जाने का भी बचाव किया और कहा कि यह टिप्पणी राज्य में चुनाव प्रचार के दौरान गांधी द्वारा दिए गए कुछ बयानों के जवाब में की गई। उन्होंने कहा कि इस टिप्पणी से भाजपा और उसके नियंत्रण वाली एजेंसियों की मदद मिली मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता का ऐसा आचरण पूरी तरह से बचकाना था और गांधी को केवल वही नहीं दोहराना चाहिए, जो राज्य में उनकी पार्टी के कुछ नेता उनसे कहते हैं। उन्होंने यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इसलिए मैंने कहा कि उन्हें अपने पुराने नाम की ओर लौटना नहीं चाहिए।

राहुल गांधी ने नहीं सुधारी छवि : विजयन ने एक पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए यह बात कही। उनसे सवाल किया गया था कि उनकी इस तरह की टिप्पणी कितनी उचित है, जबकि अतीत में वह इस तरह के व्यक्तिगत हमलों के खिलाफ रुख अपना चुके हैं। विजयन ने 19 अप्रैल को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष पर हमला करने के लिए राहुल गांधी के एक पुराने नाम का संदर्भ दिया था। विजयन ने कहा था कि उनके खिलाफ गांधी की टिप्पणियों से पता चलता है कि कांग्रेस नेता ने समय के साथ अपनी सार्वजनिक छवि में सुधार नहीं किया है। विजयन ने कहा कि राहुल गांधी...आपका पुराना नाम है। किसी भी हाल में ऐसा नहीं होना चाहिए, जिसमें आप अब भी उस स्थिति से नहीं निकले हों। उन्होंने वरिष्ठ मार्क्सवादी नेता और पूर्व मुख्यमंत्री वी एस अच्युतानंदन की उस टिप्पणी का स्पष्ट जिक्र करते हुए यह कहा था, जिसमें उन्होंने एक दशक पहले गांधी को अमूल बेबी कहा था।

गर्मी से निजात दिलाने के लिए जुगाड़

लोगों पर की जा रही पानी की बौछार

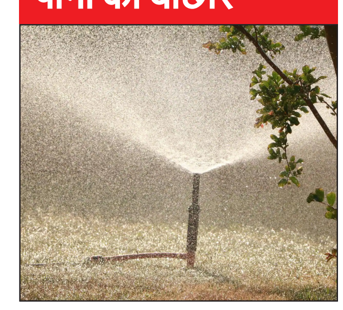

एजेंसी | अहमदाबाद

गुजरात में अहमदाबाद के नगर निगम ने तपती गर्मी से निजात दिलाने के लिए एक नया तरीका अपनाया है। यह तरीका सड़कों पर धूप से तप रहे लोगों को ठंडक दिलाएगा। इसके लिए, नगर निगम की ओर से पानी के फव्वारों का इंतजाम किया गया है। इसमें से निकलती पानी की बौछार लोगों को राहत देगी। अभी इसे ट्रायल के लिए सिर्फ एक चौराहे पर शुरू किया गया है। परिणाम अच्छे आने पर अन्य चौराहों पर भी लगाया जाएगा। अहमदाबाद नगर निगम ने एक्स पर इसका वीडियो साझा कर लिखा, 'निगम ने मणिनगर पुष्पकुंज चौराहे पर जल छिड़काव उपकरण स्थापित किया है। यह आने वाले महीनों में चिलचिलाती गर्मी से निपटने के लिए परीक्षण के आधार पर किया गया है।' यह पानी के छिड़काव वाले उपकरण ट्रैफिक सिग्नल के साथ लगाए गए हैं, ताकि चौराहे पर लाल बत्ती के जलने पर जैसे ही गाड़ियां रुकें, उन पर पानी की ठंडी फुहार पड़नी शुरू हो जाए।

'ऑपरेशन निर्विरोध' का हुआ खुलासा: BJP से मिले थे कांग्रेस प्रत्याशी

■ रिश्तेदारों को प्रस्तावक बनाया, जिससे पर्चा खारिज हो ■ 5-स्टार होटल में 24 घंटे चला ऑपरेशन

एजेंसी | सूरत

गुजरात की सूरत लोकसभा सीट से भाजपा की निर्विरोध जीत के लिए कांग्रेस प्रत्याशी नीलेश कुंभाणी ने ही भाजपा से हाथ मिला लिया था। भाजपा की ओर से कुंभाणी को ऑपरेशन निर्विरोध की स्क्रिप्ट मिली। इसके अनुसार ही नीलेश कुंभाणी ने कांग्रेस की प्रदेश इकाई को अंधेरे में रखते हुए पैंतरे चले। कुंभाणी ने अपने नामांकन पत्र के प्रस्तावकों में कांग्रेस कार्यकर्ता-कैडर मेंबर की बजाय रिश्तेदार और करीबियों को रखा। कुंभाणी ने अपने पर्चे में प्रस्तावक बहनोई जगदीश सावलिया और बिजनेस पार्टनर ध्रुविन धामेलिया और रमेश पोलरा को बनाया। नीलेश कुंभाणी ने कांग्रेस पार्टी के डमी प्रत्याशी सुरेश पडसाला का प्रस्तावक भी अपने भांजे भौतिक कोलडीया को बनवाया।

फाइव स्टार होटल में चला ऑपरेशन निर्विरोध

चारों प्रस्तावकों ने हस्ताक्षर फर्जी होने का शपथपत्र दे दिया और खुद अंडर ग्राउंड हो गए। सभी को कारण बताओ नोटिस जारी करने की प्रक्रिया अपनाई गई। कोई भी सामने नहीं आया। इसके बाद कुंभाणी और डमी प्रत्याशी सुरेश पडसाला का पर्चा खारिज हो गया। सूरत में भाजपा के इस ऑपरेशन निर्विरोध का एपिसेंटर बना सूरत का फाइव स्टार होटल ली-मेरिडियन। यहां से 24 घंटे तक ऑपरेशन निर्विरोध की कार्रवाई का संचालन हुआ। ये कवायद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल की सीधी निगरानी में हुई।

सपा प्रत्याशी को क्राइम ब्रांच ने होटल पहुंचाया

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के टिकट पर प्यारेलाल भारती सहित छोटे दलों के 4 प्रत्याशी सूरत से मैदान में थे। यह सूरत से वडोदरा पहुंच कर एक फॉर्म हाउस में जा बैठे। प्यारेलाल की खोजबीन शुरू हुई। बसपा प्रत्याशी से संपर्क न होने पर क्राइम ब्रांच जुटी।

ओडिशा के विधायक मोहम्मद मुकीम की सजा निलंबित

■ कोर्ट ने राज्य सरकार को भेजा नोटिस

एजेंसी | भुवनेश्वर

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को भ्रष्टाचार के मामले में ओडिशा के कांग्रेस विधायक मोहम्मद मुकीम की सजा निलंबित कर दी। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ चुनौती देने वाली विधायक की याचिका पर ओडिशा सरकार को नोटिस जारी किया है। पीठ ने कहा कि दोनों पक्षों के वरिष्ठ वकील को सुनने और सभी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए याचिकाकर्ता की सजा निलंबित करने का आदेश दिया जाता है। विधायक मोहम्मद मुकीम को विजिलेंस कोर्ट द्वारा 29 सितंबर 2022 को भ्रष्टाचार के मामले में दोषी पाया गया था। विजिलेंस कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि मुकीम ने मेट्रो बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड का डायरेक्टर रहते हुए एक आईएएस अफसर के साथ मिलकर एक रियल एस्टेट फर्म को फायदा पहुंचाया था।

'12 साल से छोटे बच्चों को माता-पिता के साथ सीट दें'

DGCA का एयरलाइंस को निर्देश

एजेंसी | नई दिल्ली

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) ने सभी एयरलाइंस को निर्देश जारी किया है कि 12 साल तक के बच्चों को विमान में उनके माता-पिता के साथ सीट दी जाए। DGCA ने एक बयान में कहा कि एयरलाइंस को यह सुनिश्चित करना होगा कि 12 साल तक की उम्र के बच्चों को उनके माता-पिता में कम से कम एक के साथ सीट दी जाए, जो उसी विमान में यात्रा कर रहे हों। इसका रिकॉर्ड रखा जाएगा।' DGCA की ओर से जारी एयर ट्रांसपोर्ट सर्कुलर (ATC)-01 के मुताबिक, 12 साल से कम उम्र के बच्चों को अभिभावकों को पास की सीट दी जाएगी और इसके लिए किसी प्रकार का कोई अतिरिक्त शुल्क भी नहीं देना होगा। इसके अनुसार, एयरलाइंस अभिभावक पर बच्चे की सीट के लिए दबाव नहीं डाल सकती हैं। अगर अभिभावक ने अपने लिए फ्री सीट या स्वतः आवंटन का चुनाव किया है तो बच्चे के लिए बगल की सीट की व्यवस्था करनी होगी।

दोपहर एंकर

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट से हुआ खुलासा

भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक देश

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक देश बन चुका है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) की ओर से जारी रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। भारत ने बीते पांच साल में दुनिया में सबसे ज्यादा हथियार खरीदे हैं। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि यूरोप का हथियार आयात 2014-18 की तुलना में 2019-23 में लगभग दोगुना बढ़ा है, जिसके पीछे रूस-यूक्रेन युद्ध बड़ा कारण माना जा रहा है। वहीं, इसके अलावा पिछले पांच वर्षों में सबसे ज्यादा हथियार एशियाई देशों ने खरीदे हैं। इस लिस्ट में रूस-यूक्रेन का युद्ध देश के रक्षा निर्यात को काफी प्रभावित किया है। इस कारण से पहली बार रूस हथियार निर्यात में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। तो वहीं, अमेरिका पहले और फ्रांस दूसरे नंबर पर है।

अमेरिका बना दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता

पिछले 25 सालों में पहली बार, संयुक्त राज्य अमेरिका एशिया और ओशिनिया का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता रहा। हथियारों के आयात में संयुक्त राज्य अमेरिका का हिस्सा 34 प्रतिशत है, जबकि रूस का 19 प्रतिशत और चीन का 13 प्रतिशत है।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक

भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक है। साल 2014-18 और 2019-23 के बीच भारत का हथियार आयात 4.7 फीसदी बढ़ा है। भारत 9.8 फीसदी हथियार आयात के साथ दुनिया में पहले नंबर पर है। भारत ने रूस से सबसे ज्यादा हथियार खरीदे हैं। भारत के कुल हथियार आयात का यह 36 फीसदी रहा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 1960-64 के सोवियत समय के बाद यह पहली बार है जब भारत के हथियार आयात में रूस की हिस्सेदारी 50 फीसदी से कम है।

ये देश हैं हथियारों के सबसे बड़े खरीदार

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) के रिपोर्ट के मुताबिक भारत के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा हथियार सऊदी अरब (8.4%) हथियारों का आयात करता है। वहीं, कतर (7.6%), यूक्रेन (4.9%), पाकिस्तान (4.3%), जापान (4.1%), मिस्र (4.0%), ऑस्ट्रेलिया (3.7%), दक्षिण कोरिया (3.1%) और चीन (2.9%) ने खरीदा है।